RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 6, अंकः142, शनिवार, 31 मई 2025 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

डीआईजी के रिपोर्ट के बाद रक्सौल डीएसपी की बढेगी मुश्किले 03

तीन बच्चे सिकरहना नदी में डूबे एक को जिंदा बचाया गया दूसरे का शव ... 04

ठग लाइफ का दूसरा सिंगल शुगर बेबी हुआ रिलीज ए.आर.रहमान की... 07

'रिलेशनशिप' टूटने के बाद 'रेप' केस दर्ज कराना गलत

● सुप्रीम कोर्ट बोला-इससे आरोपी की छवि खराब होती है ● उच्च न्यायालय बोली-न्याय व्यवस्था पर भी बोझ पड़ता है

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को एक अहम फैसले में कहा, यदि दो वयस्कों में सहमति से बना रिश्ता बाद में टूट जाता है या दोनों के बीच दूरी आ जाती है, तो इसे शादी का झूठा वादा बताकर रेप का केस नहीं बनाया जा सकता। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की बेंच ने यह टिप्पणी की। बेंच ने कहा- ऐसे मामलों से न केवल न्याय व्यवस्था पर अनावश्यक बोझ पड़ता है, बल्कि आरोपी व्यक्ति की सामाजिक छवि को भी गंभीर नुकसान होता है।

सुप्रीम कोर्ट ने दोहराया कि सिर्फ शादी का वादा तोड़ने को झूठा वादा नहीं माना जा सकता, जब तक कि आरोपी की तरफ से रिश्ते की शुरुआत से ही धोखाधड़ी का इरादा न हो। बेंच ने कहा कि शादी का वादा तोड़ने को झूठा वादा बताकर धारा 376 के तहत रेप का केस करना गलत है। इस सोच पर पहले भी चिंता जताई जा चुकी है। सुप्रीम कोर्ट ने इस फैसले के साथ ही महाराष्ट्र के अमोल भगवान नेहुल के खिलाफ रेप केस रद्द कर दिया। आरोपी नेहुल ने बॉम्बे हाईकोर्ट के उस आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी, जिसमें उस पर दर्ज आपराधिक कार्यवाही को रद्द

करने से इनकार कर दिया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट का आदेश पलटते हुए आपराधिक कार्यवाही खत्म की। कोर्ट ने लिव इन के बाद रेप के आरोप को भी गलत बताया था इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने मार्च में एक मामले में कहा था कि 16 साल तक लिव इन रिलेशनशिप में रहने के बाद कोई महिला रेप का आरोप नहीं लगा सकती। सिर्फ शादी करने का वादा तोड़ने से रेप का मामला नहीं बनता, जब तक यह साबित न हो जाए कि शुरुआत से ही शादी की कोई मंशा नहीं थी। महिला ने 2022 में अपने पूर्व लिवइन पार्टनर पर रेप का केस दर्ज कराया था। उसका आरोप था कि 2006 में पार्टनर जबरदस्ती उसके घर में घुसा और उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। बाद में शादी का झांसा देकर 16 साल तक उसका शोषण किया। फिर किसी दूसरी महिला से शादी कर ली। कोर्ट बोला- पढ़ी-लिखी महिला इतने साल धोखे में कैसे रह सकती है जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने फैसला सुनाते हुए कहा कि अगर कोई महिला इतने समय तक रिश्ते में रहती है, तो इसे धोखा या जबरदस्ती नहीं कहा जा सकता है। यह मामला लिव इन रिलेशनशिप के बिगड़ने का है, न कि रेप का। कोर्ट ने सवाल उठाया कि एक पढ़ी-लिखी और आत्मनिर्भर महिला इतने सालों तक किसी के धोखे में कैसे रह सकती है। ऐसा कैसे हो सकता है कि जब अचानक उसका पार्टनर किसी और से शादी कर ले, तब केस दर्ज कराए।

पतंजलि पर पैसे के लेन-देन में गड़बड़ी का लगा आरोप

● केंद्र सरकार ने नोटिस भेजा, दो महीने के भीतर जवाब मांगा, एजेंसियों ने जांच शुरू की

नई दिल्ली (एजेंसी)। योग गुरु बाबा रामदेव की कंपनी पतंजलि को केंद्र सरकार ने पैसों के लेन-देन में गड़बड़ी को लेकर नोटिस भेजा है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक सरकारी जांच एजेंसियों को पतंजलि के पैसों के लेन-देन में गड़बड़ियां मिली हैं। एजेंसियों ने कई फाइनेंशियल ट्रांजैक्शंस को संदिग्ध माना है। कॉरपोरेट अफेयर्स मंत्रालय ने पातंजलि को नोटिस जारी कर दो महीने के भीतर जवाब देने को कहा है। जांच शुरुआती चरण में है, इसलिए रकम का खुलासा नहीं हुआ है। कंपनी के खिलाफ कॉर्पोरेट गवर्नेंस नियमों के उल्लंघन और फंड डायवर्जन की आशंका पर जांच शुरू की गई है। बाबा रामदेव ने 3 अप्रैल को पतंजलि के शरबत की लॉन्चिंग की थी।

ओडिशा में इंजीनियर के घर से 2 करोड़ कैश बरामद

● विजिलेंस टीम को देखकर खिड़की से नोटों के बंडल फेंके, 7 ठिकानों पर रेड जारी

भुवनेश्वर (एजेंसी)। ओडिशा में विजिलेंस डिपार्टमेंट ने शुक्रवार को एक चीफ इंजीनियर के 7 ठिकानों पर रेड की। इस दौरान उसके दो घरों से 2 करोड़ से ज्यादा कैश बरामद हुआ। लाखों रुपए के सोने के गहने और मंहगे कपड़े भी मिले हैं। विजिलेंस टीम को देखते ही चीफ इंजीनियर भुवनेश्वर स्थित अपने फ्लैट की खिड़की से 500 रुपए के नोटों के बंडल फेंकने लगा था। अधिकारियों ने नोटों की गड्डी बरामद कर ली है। कैश गिनने के लिए मशीनों का सहारा लेना पड़ रहा है। नोटों की गिनती जारी है। इंजीनियर की पहचान ओडिशा सरकार के कर्मचारी बैकुंठ नाथ सारंगी के रूप में हुई है। वह राज्य के ग्रामीण विकास विभाग में काम करता है। उसके पास आय से अधिक संपत्ति होने का शक है।

अधिकारियों ने बताया कि इंजीनियर के आवास और ऑफिस में तलाशी जारी है। फ्लैट और पैतृक आवास से 1-1 करोड़ कैश मिला आधिकारिक बयान में बताया गया कि ओडिशा पुलिस की एंटी करप्शन विंग ने भुवनेश्वर, अंगुल और पुरी में चीफ इंजीनियर के ठिकानों पर पर छापा मारा। उनके भुवनेश्वर स्थित फ्लैट से करीब 1 करोड़ रुपए कैश बरामद किए गए।

'सुप्रीम' आदेश, एक शिफ्ट में ही हो नीट पीजी एग्जाम

● कहा-समय चाहिए तो आवेदन कर सकते हैं, 15 जून को होनी है परीक्षा

नईदिल्ली (एजेंसी)। नीट पीजी परीक्षा एक ही शिफ्ट में आयोजित की जाएगी। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को यह आदेश दिया। छात्रों ने 2 शिफ्ट में परीक्षा के खिलाफ याचिका दाखिल की थी। उनका कहना था कि 2 शिफ्ट में एग्जाम से क्वेश्चन पेपर के डिफिकल्टी लेवल में फर्क होता है, जो फेयर इवैल्युएशन नहीं है। परीक्षा में हासिल किए गए नंबर्स में भी फर्क आ जाता है। नीट पीजी एग्जाम 15 जून को होना है जिसके लिए एडमिट कार्ड 2 जून को जारी होंगे। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने मामले की जल्द सुनवाई की है। बेंच ने कहा- ये तर्क माना नहीं जा सकता कि एग्जाम कराने के लिए एनबीई (नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन) को पर्याप्त सेंटर नहीं मिले। 2 शिफ्ट में एग्जाम कराना फेयर नहीं है। दो पेपर्स का डिफिकल्टी लेवल कभी एक जैसा नहीं हो सकता। नॉर्मलाइजेशन का इस्तेमाल एक्सेप्शनल केसेज में होना चाहिए, न कि रुटीन परीक्षाओं में। इस साल का एग्जाम 15 जून को होना है। अभी भी एग्जामिनेशन बॉडी तय करने और सेंटर्स चुनने के लिए 2 सप्ताह से ज्यादा का समय बाकी है। इसके बावजूद अगर और समय की जरूरत होती है तो आवेदन कर सकते हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने एनबीई को नीट पीजी परीक्षा 2025 एक ही शिफ्ट में पारदर्शिता के साथ कराने का आदेश दिया है। कोर्ट ने कहा कि 15 जून 2025 को होने वाले नीट पीजी एग्जाम के लिए अभी भी इंतजाम करने का समय है। एनबीई को चाहिए कि वह सेटंर ढूंढे और पारदर्शी तरीके से परीक्षा कराए। सेंटर सुरक्षित होने चाहिए। दो शिफ्ट में नीट एग्जाम कराने से सभी को समान अवसर नहीं मिलेगा। नीट पीजी क्वेश्चन पेपर 2025 की कठिनाई का स्तर अलग-अलग हो सकता है। खबर के अनुसार, एनबीई ने कहा कि उनके पास एक शिफ्ट में परीक्षा कराने के लिए पर्याप्त सेंटर नहीं हैं। लेकिन कोर्ट ने ये दलील भी नहीं मानी।

● पीएम मोदी का भोपाल दौरा आज

मंच संभालेंगी महिला मंत्री

राजधानी भोपाल में प्रधानमंत्री संग मंच पर बैठेंगी महिला मंत्री

सिंदूरी साड़ी व सेना जैसी वर्दी में व्यवस्था संभालेंगी कार्यकर्ता

भोपाल (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कल 31 मई को भोपाल के जंबूरी मैदान पर देवी अहिल्याबाई महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन को संबोधित करेंगे। मंच पर देवी अहिल्याबाई के साथ कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह की तस्वीरें भी नजर आएंगी।

महासम्मेलन के लिए भोपाल से 500 किलोमीटर के दायरे के 16 जिलों से महिलाओं को बुलाया गया है। दावा है कि कार्यक्रम में दो लाख महिलाएं शामिल होंगी। महिला महासम्मेलन में चार महिलाएं पीएम मोदी को सिंदूर का पौधा भेंट करेंगी। यह चारों महिलाएं गैर राजनीतिक पृष्ठभूमि की होंगी। ऑपरेशन सिंदूर के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का देश में यह पहला महिला सम्मेलन है।

इस महिला सम्मेलन में प्रधानमंत्री का संबोधन पूरे देश के साथ वैश्विक स्तर पर भी देने की कोशिश बीजेपी की ओर से होगी। वहीं, दतिया एयरपोर्ट पर उद्घाटन के दौरान जो प्लेन टेक ऑफ करेगा, उसकी पायलट भी महिला होगी। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू दतिया एयरपोर्ट पर कार्यक्रम में शामिल होंगे। इधर शनिवार को आंधी पानी आने की संभावना है।

अंकिता भंडारी के कातिलों की जेल में ही कटेगी बाकी जिंदगी

● 'एक्स्ट्रा सर्विस' से इनकार करने पर ले ली थी जान

कोटद्वार (एजेंसी)। उत्तराखंड के बहुचर्चित अंकिता भंडारी हत्याकांड में भाजपा नेता और पूर्व मंत्री के बेटे पुलकित आर्य समेत 3 को कोर्ट ने उम्रकैद की सजा सुनाई है। पुलकित के अलावा उसके दो कर्मचारी सौरभ भास्कर और अंकित गुप्ता को भी सजा सुनाई गई है। कोटद्वार जिला कोर्ट ने इस मामले में 2 साल 8 महीने के बाद फैसला दिया है।

तीनों दोषियों पर 50 -50 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया गया है। कोर्ट ने तीनों को दोषी मानते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई है। अंकिता ऋषिकेश में पुलकित आर्या के रिसॉर्ट में रिसेप्शनिस्ट थी। 18 सितंबर, 2022 को अंकिता गायब हो गई थी। 24 सितंबर 2022 को अंकिता का शव चीला नहर में मिला था। कोर्ट का फैसला आने से पहले अंकिता भंडारी के पिता वीरेंद्र सिंह ने बेटी के हत्यारों को फांसी की सजा देने की मांग की थी।

दुश्मन कहीं भी हो, हौंक दिया जाएगा

● यूपी दौरे में कनपुरिया अंदाज में बोले पीएम मोदी ● शुभम द्विवेदी और ऐशान्या के दर्द का किया जिक्र

कानपुर (एजेंसी)। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कानपुर पहुंच गए हैं। उन्होंने यहां जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि कानपुर में विकास का एक कार्यक्रम 24 अप्रैल को होने वाला था लेकिन पहलगाम हमले के कारण मुझे अपना कानपुर दौरा रद्द करना पड़ा। बेटी ऐशान्या का दर्द, आक्रोश हम सब महसूस कर सकते हैं। पहलगाम कायरता पूर्ण हमले में कानपुर के शुभम दिवेदी भी इस बर्बरता के शिकार हुए। पीएम मोदी ने कहा कि हमारी बहनों बेटियों का वही आक्रोश ऑपरेशन सिंदूर के रूप में पूरी दुनिया ने देखा है। हमने पाकिस्तान में आतंकियों के ठिकाने घर में घुसकर, सैकड़ों मील अंदर जाकर तबाह कर दिए। उन्होंने कानपुरिया अंदाज में बोला- दुश्मन चाहे कहीं भी हो, हौंक दिया जाएगा। कानपुर आए पीएम ने कहा- हमारी सेना ने ऐसा पराक्रम किया कि पाकिस्तानी सेना को गिड़गिड़ाकर युद्ध रोकने की मांग करने पर मजबूर होना पड़ा। स्वतंत्रता संग्राम की इस धरती से सेना के शौर्य को बार-बार सैल्यूट करता हूं। मैं फिर कहना चाहता हूं कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान जो दुश्मन गिड़गिड़ा रहा था वह किसी धोखे में न रहे, ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है। भारत ने आतंक के खिलाफ अपनी लड़ाई में तीन सूत्र स्पष्ट रूप से तय किए हैं। पहला- भारत हर आतंकी हमले का करारा जवाब देगा। उसका समय, जवाब देने का तरीका और जवाब देने की शर्तें हमारी सेनाएं खुद तय करेंगीं। दूसरा- भारत अब एटम बम की गीदड़ भभकी से नहीं डरेगा। और न ही उसके आधार पर कोई फैसला लेगा। तीसरा- आतंक के आका और आतंक की सरपरस्त सरकार को भारत एक ही नजर से देखेगा। ये एक बालक कबे हाथ उठा रहा है, कंधे में दर्द होगा।

यूपी कैसे बदला, कानपुर वालों से बेहतर कौन जानता है- आज कानपुर मेट्रो की ऑरेंज लाइन का विस्तार हो गया है। पहले एलिवेटेड और अब अंडरग्राउंड। जो इन्फ्रास्ट्रक्चर , जो सुविधाएं, जो संसाधन बड़ी-बड़ी मेट्रो सीटी में होती हैं। वो सब अब अपने कानपुर में भी दिखने लगी हैं। कानपुर मेट्रो इस बात का सबूत है कि अगर सही इरादों, मजबूत इच्छाशक्ति और नेक-नीयत वाली सरकार हो, तो देश और प्रदेश के विकास के लिए कैसे ईमानदारी से प्रयास होते हैं। जिस यूपी की पहचान टूटी सड़कों और गड्ढों से होती थी। आज एक्सप्रेस-वे से होती है। यूपी कैसे बदला है, कानपुर वालों से बेहतर कौन जानता है। कुछ दिनों में कानपुर लखनऊ एक्सप्रेस -वे बनने से इसका सफर 40 से 45 मिनट में पूरा होगा।

आज ब्रह्मोस मिसाइल का नया पता है उत्तर प्रदेश- ये पूरे उत्तर प्रदेश के लिए गर्व की बात है कि वो डिफेंस सेक्टर में आत्मनिर्भरता में बड़ी भूमिका निभा रहा है। जैसे कानपुर में पुरानी ऑर्डिनेंस फैक्ट्री है, ऐसी 7 ऑर्डिनेंस फैक्टियों को हमने बड़ी आधुनिक कंपनियों में बदल दिया है। एक समय जहां से पारंपरिक उद्योग पलायन कर रहे थे।

नेपाल में एवरेस्ट दिवस पर भारतीय पर्वतारोहियों का सम्मान

● किन्नौर के अमित नेगी भी शामिल

किन्नौर (एजेंसी)। नेपाल में अंतरराष्ट्रीय एवरेस्ट दिवस के अवसर पर 100 से अधिक पर्वतारोहियों को सम्मानित किया गया। इस समारोह में भारत के 15 पर्वतारोही भी शामिल थे। नेपाल के पर्यटन मंत्री बद्री पांडे ने सभी पर्वतारोहियों को प्रशंसा प्रमाण पत्र प्रदान किए। हिमाचल प्रदेश के किन्नौर से अमित नेगी भी सम्मानित होने वालों में शामिल थे। वे भारत के सबसे युवा एवरेस्ट विजेताओं में से एक हैं। उन्होंने एवरेस्ट (8848.86 मीटर), कंचनजंगा (8,586 मीटर) और अन्नपूर्णा (8091 मीटर) को सफलतापूर्वक फतह किया है। अमित किन्नौर के पहले ऐसे युवा हैं जिन्होंने अन्नपूर्णा पर्वत पर चढ़ाई की है। समारोह में भारत से आशीष सिंह, निशा कुमारी, अनुजा वैद्य, बलजीत कौर, सुविधा कदलाग, ज्योति रात्रे और नवोदिता समेत अन्य पर्वतारोही भी सम्मानित हुए।

पंजाब में अवैध पटाखा फैक्ट्री में धमाका, पांच लोगों की मौत

● मलबे में दबे 29 वर्कर निकाले, 40 काम करते थे, बारूद और केमिकल बरामद

मुक्तसर (एजेंसी)। पंजाब के मुक्तसर में गुरुवार देर रात एक पटाखा फैक्ट्री में धमाका हो गया। 5 वर्करों की मौत हो गई। मलबे से 29 लोगों को निकाला गया है। बचाव एवं राहत कार्य जारी है। घायलों को बठिंडा एम्स में भेजा गया है। फैक्ट्री में कुल 40 लोग काम करते थे। घायल वर्कर उत्तर प्रदेश के बताए जा रहे हैं। मृतकों की अभी तक पहचान नहीं हो पाई है। घटना सिंघेवाला गांव में रात 1.30 बजे हुई। यहां काम करने वाले वर्कर अरुण ने बताया कि हम रात की शिफ्ट के बाद सो रहे थे, तभी अचानक धमाका हुआ और कई लोग मलबे के नीचे दब गए। धमाका इतना जोरदार था कि फैक्ट्री की इमारत का एक बड़ा हिस्सा ढह गया। स्थानीय लोगों के मुताबिक फैक्ट्री 2 मंजिला थी। पहली मंजिल पर कुछ कमरे बने हुए थे। फैक्ट्री में ही सभी वर्करों के रहने की व्यवस्था की गई थी। मौके से बारूद और केमिकल मिला है। एसपी अभिजीत कपलीश ने बताया कि पटाखा फैक्ट्री को प्रशासन की तरफ से चलाने की कोई अनुमति नहीं दी गई थी। प्रशासन की अभी पहली जिम्मेदारी जख्मियों का बेहतर इलाज करवाना है। फैक्ट्री की इन्क्वायरी करने के बाद आरोपियों पर जरूर कार्रवाई की जाएगी। मुक्तसर के एससपी अखिल चौधरी ने कहा कि सुबह पुलिस को सूचना मिली थी।

ज्योतिर्लिंग सोमनाथ मंदिर के शिवलिंग को लेकर नया विवाद

● श्री श्री रविशंकर के दावे को ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य ने किया खारिज

अहमदाबाद (एजेंसी)। श्री श्री रविशंकर बोले- मेरे पास हैं शिवलिंग के अंश, शंकराचार्यों, संतों, महंतों प्रथम ज्योतिर्लिंग सोमनाथ मंदिर के शिवलिंग को लेकर नया विवाद छिड़ गया है। शंकराचार्यों, संतों, महंतों और शिव उपासकों ने श्री श्री रविशंकर की सोमनाथ मंदिर में शिवलिंग को दोबारा स्थापित करने की घोषणा का विरोध शुरू कर दिया है। ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती का कहना है कि श्री श्री रविशंकर ने अब तक इस बारे में बात क्यों नहीं की। द्वारका शारदापीठ के शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती ने कहा- ज्योतिर्लिंग स्वयंभू है और इसे दोबारा प्रतिष्ठित करने की आवश्यकता नहीं है। वहीं, हरिगिरि महाराज ने कहा- ज्वाला को कभी खंडित नहीं किया जा सकता, इसलिए इसे दोबारा स्थापित करने का सवाल ही नहीं उठता। शिव उपासक निजानंद स्वामी ने कहा कि 1000 साल पुराने सोमनाथ शिवलिंग के टुकड़े किसी के पास होना संभव नहीं है। सोमनाथ ट्रस्ट के ट्रस्टी पीके लाहिड़ी ने कहा कि इस बात का कोई प्रमाण नहीं है कि ये टुकड़े मूल शिवलिंग के हैं या नहीं।

संक्षिप्त समाचार

पिकअप की टक्कर से ऑटो सवार 2 लोगों की मौत

वैशाली में 7 लोग घायल, चौथी के छात्र ने इलाज के दौरान तोड़ा दम

हाजीपुर (वैशाली), एजेंसी। वैशाली के बरांटी थाना क्षेत्र में पिकअप और टेंपो की टक्कर में दो लोगों की मौत हो गई। हादसे में 7 अन्य लोग घायल हुए हैं। घटना 26 मई को मुसहरी चौक के पास हुई। हादसे में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि तारकेश कुमार(12) को गंभीर हालत में पटना पीएमसीएच रेफर किया गया। वहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। तारकेश राजापाकर थाना क्षेत्र के हरपुर मुकुंदपुर बाकरपुर का रहने वाला था। वह चौथी कक्षा का छात्र था। मृतक के परिवार में दो भाई और एक बहन हैं। मृतक के चाचा ने बताया कि 26 मई को तारकेश ऑटो से चकसिकंदर से हाजीपुर जा रहा था। इसी दौरान बरांटी में तेज रफ्तार पिकअप ने ऑटो को टक्कर मार दी। हादसे में सात लोग घायल हुए थे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल हाजीपुर भेज दिया है। मामले की जांच की जा रही है।

आइडिया लैब और अटल इनक्यूबेशन सेंटर में जाएंगे बच्चे

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। देश के इंजीनियरिंग संस्थानों में बने आइडिया लैब और अटल इनक्यूबेशन सेंटर में स्कूली बच्चे जाएंगे। सीबीएसई स्कूलों को इस संबंध में निर्देश मिला है। जिले के बच्चों का इन जगहों पर एक्सपोजर विजिट कराया जाएगा। 8वीं से 12वीं कक्षा तक के बच्चों को इन जगहों पर ले जाया जाएगा। उन्हें नए प्रयोग और तकनीक से अवगत कराया जाएगा। यही नहीं इन लैब में बच्चों को काम करने का मौका भी मिलेगा। सीबीएसई ने निर्देश दिया है कि अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद ने देश के विभिन्न इंजीनियरिंग संस्थानों में (आइडिया डेवलपमेंट, इवैल्यूएशन एंड एप्लीकेशन) लैब्स की स्थापना की है। ये लैब्स विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित (स्टेम) डोमेन में नवाचार, डिजाइन सोच और व्यावहारिक शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए उन्नत सुविधाओं से लैस हैं। इसी तरह, अटल इनक्यूबेशन सेंटर (एआईसी) अत्याधुनिक इनक्यूबेशन सुविधाएं हैं, जिन्हें स्टार्टअप का समर्थन करने और नवाचार और उद्यमिता के पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने के लिए डिजाइन किया गया है। ये केंद्र देश भर में प्रतिष्ठित शैक्षणिक और शोध संस्थानों में स्थित हैं। छात्रों और शिक्षकों को स्टार्टअप संस्कृति, तकनीकी प्रगति, नवाचार प्रथाओं और उद्यमशीलता को समझने का एक उत्कृष्ट अवसर प्रदान करते हैं।

सीबीएसई ने जारी की 305 संस्थानों की सूची

सीबीएसई ने 305 संस्थानों की सूची जारी करते हुए सभी स्कूलों को निर्देश दिया है कि एनईपी 2020 के तहत सीबीएसई से संबद्ध स्कूलों को इन लैब में एक्सपोजर विजिट आयोजित कराया जाए। सीबीएसई से संबद्ध स्कूल नजदीक के एआईसीटीई आइडिया लैब्स और अटल इनक्यूबेशन सेंटर (एआईसी) के साथ समन्वय कर इस पहल का लाभ उठाएंगे। ग्रीष्मावकाश या अन्य समय में विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए भ्रमण की व्यवस्था करेंगे। छात्रों को वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोगों, नवाचार तकनीकों और उभरती प्रौद्योगिकियों से परिचित कराना इसका लक्ष्य है।

समस्तीपुर में सड़क हादसे में किसान की मौत

समस्तीपुर, एजेंसी। समस्तीपुर के विद्यापति नगर थाना क्षेत्र में सड़क किनारे टहल रहे युवक को बाइक ने टक्कर मार दी। गंभीर हालत में परिजनों ने अस्पातल में एडमिट कराया। जहां इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक की पहचान दिलीप महतो(38) के तौर पर हुई है। घटना मलकालीपुर गांव की है। ग्रामीण बिट्टू कुमार ने बताया कि गुरुवार रात को खाना खाकर दिलीप सड़क किनारे टहल रहे थे। इस दौरान बाइक ने टक्कर मार दिया। गाड़ी की स्पीड़ अधिक थी। आनन-फानन में सीएचसी लेकर पहुंचे।

टिकट न मिले तो धैर्य रखें, बूथ मजबूत करें, पीएम मोदी ने बिहार के नेताओं को दिया जीत का मंत्र

पटना, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार भाजपा के नेताओं को कहा कि डबल इंजन की सरकार में हो रहे कार्यों को जन-जन तक पहुंचाएं। लोगों से निरंतर संपर्क में रहें। सरकार की योजनाओं को बताने के साथ-साथ उनका फीडबैक भी लेते रहें। एनडीए के सभी घटक दल ऊपर से नीचे स्तर तक समन्वय बनाकर कार्य करें। अगर टिकट न मिले तो धैर्य रखें। पीएम ने गुरुवार देर शाम पटना स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय में पार्टी सांसदों, विधायकों, विधान पार्षदों और प्रदेश पदाधिकारियों के साथ बैठक को संबोधित करते हुए ये बातें कहीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपना संबोधन पार्टी नेताओं से सवालों के जरिए किया। एक-एक कर विभिन्न विषयों पर नेताओं से सवाल पूछे, उनके जवाब सुने और फिर उस पर अपनी राय रखी। पीएम मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को लेकर जनता के फीडबैक को लेकर भी पार्टी नेताओं की राय जानी। डेढ़ घंटे तक चली बैठक में उन्होंने कहा कि आप लोग निरंतर जनता से मिलें। बिहार में विधानसभा चुनाव है इसलिए मैं लोगों से मिलने के लिए कह रहा हूं, ऐसी बात नहीं है। जनता से लगातार मिलते रहें, ना कि सिर्फ चुनाव के दौरान। उन्होंने सोशल मीडिया पर भी सक्रिय रहने की सभी को सलाह दी, ताकि इसके माध्यम से सरकार और पार्टी की बात लोगों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाई जा सके। प्रधानमंत्री दूसरी बार भाजपा प्रदेश कार्यालय में आए। इससे पहले प्रधानमंत्री पार्टी कार्यालय में 2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान उनका आगमन हुआ था।

धैर्य से मिलती है राजनीति में सफलता : पीएम मोदी : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नेताओं से पूछा कि राजनीति में सफलता कैसे मिलती है? इस पर कइयों ने अपनी राय रखी। इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि सफलता के लिए सबसे जरूरी चीज है धैर्य। उन्होंने यह भी कहा कि चुनाव के समय टिकट के लिए कुछ लोग पार्टी बदल लेते हैं। ऐसे लोगों में धैर्य का अभाव होता है। उन्हें धैर्य रखना चाहिए। पीएम ने कहा कि एनडीए को केंद्र में लगातार तीसरी बार सफलता मिली है तो इसके पीछे भी धैर्य है। जनसंघ के समय से ही लगे हुए लोगों के कारण आज हमें यह सफलता मिल रही है।

नई पीढ़ी को बताएं विपक्ष का शासनकाल : पार्टी नेताओं से गुफ्तगू के दौरान प्रधानमंत्री ने विपक्ष पर हमलावर रहने के निर्देश दिए। उन्होंने राजद का नाम लिए बगैर कहा कि विपक्ष का जो बिहार में शासनकाल रहा है, उसके बारे में भी राज्य की नई पीढ़ी को जरूरी बताएं।

बूथ मजबूत कर ही चुनाव जीतेंगे

प्रधानमंत्री मोदी ने बूथ तक संगठन को सशक्त करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अगले चार महीने में चुनाव है, इस समय का पूरा उपयोग बूथ को मजबूत करने पर करें। बूथ से ही आप चुनाव जीतेंगे। उन्होंने अपने पुराने दिनों को याद किया और सभी को बताया कि कैसे वे बूथ स्तर तक काम करते थे। पीएम ने बीजेपी नेताओं से कहा कि बूथ स्तर के पदाधिकारी वहां के लोगों से निरंतर मिलते रहें। बैठक में भाजपा के सांसद, विधायक, विधान पार्षद, प्रदेश कमेटी के पदाधिकारी और सभी मोर्चों के अध्यक्ष शामिल रहे। भाजपा प्रदेश कार्यालय के अटल सभागार में आयोजित बैठक में करीब 180 लोगों की बैठने की व्यवस्था थी। हालांकि, कुछ मंत्री-विधायक बिक्रमगंज की जनसभा की तैयारी में लगे थे, वे इस बैठक में शामिल नहीं हो सके।

लाखों का नुकसान हुआ, सिर्फ 17, 500 रुपए मिला

गया में अग्निकांड पीड़ित ने सिस्टम पर उठाए सवाल : कहा- मुआवजे के नाम पर खानापूर्ति की गई है

गया, एजेंसी। गया जिला प्रशासन ने अग्निकांड के पीड़ित को 17,500 रुपए का चेक सौंपा है। पीड़ित ललन दुबे ने सरकारी सिस्टम पर सवाल खड़े किए हैं। उनका कहना है कि नुकसान 50 लाख का हुआ है। मुआवजे के नाम पर खानापूर्ति की गई है। मामला मुफस्सिल थाना क्षेत्र के गुलाबबाग की है। बुधवार देर रात कबाड़ की दुकान में भीषण आग लग गई थी। आग की लपटों ने पड़ोस के दो फ्लोर के मकान को भी अपनी चपेट में ले लिया। मकान मालिक ने बताया कि घर में रखा सारा सामान जलकर राख हो गया है। पीने को पानी भी नहीं बचा है।

मैंने और बच्चों ने जो कपड़े पहने है, सिर्फ वही बचा हुआ है। आग से करीब 50 लाख रुपए का नुकसान हुआ है। आगजनी की सूचना पर सीओ सुबोध कुमार भी मौके पर पहुंचे थे। नुकसान की वीडियोग्राफी कराई गई। लिस्टिंग हुई, अफसरों ने मुआयना भी किया, लेकिन जब राहत का समय आया तो मुआवजा की राशि आपदा प्रबंधन नियमावली की मोहताज हो गई।

जांच रिपोर्ट अधिकारियों को भेजा गया है

सीओ ने बताया कि जांच रिपोर्ट भेजी जाएगी। अफसरों से आदेश लिया जाएगा। पीड़ित से आवेदन मांग लिया गया है। आगे कार्रवाई होगी। नियम के अनुसार सामान के नुकसान पर अधिकतम 17500 रुपए ही मिल सकते हैं।

ज्वेलरी, कपड़े, फर्नीचर, अनाज सबकुछ जलकर राख

ललन दुबे ने बताया कि घर में खाने पीने के सामान के साथ-साथ चार एसी, सोना-चांदी के गहने, महंगे कपड़े, फर्नीचर, पानी की टंकी, खिड़कियां, बेड, पंखे, वायरिंग, कूलर, दरवाजे सब कुछ जलकर राख हो गया। आग इतनी भयावह थी कि कुछ भी नहीं बचा।

शादी के जोड़े में हुआ अंतिम संस्कार, विदाई के दौरान ट्रक ने कार को मारी थी टक्कर

आईसीयू में दूल्हा, ससुर ने दी दुल्हन को मुखाग्नि

आरा, भोजपुर, एजेंसी। आरा में विदाई कर ससुराल लौट रही दूल्हे की गाड़ी को ट्रक ने टक्कर मार दी। इलाज के दौरान दुल्हन की गुरुवार को मौत हो गई। दूल्हे की हालत गंभीर है। दुल्हन को जिस जोड़े में परिवार ने विदा किया था उसी में उसके शव को पोस्टमॉर्टम के लिए लाया गया। हाथों में मेहंदी थी। पैर में महावर था। पोस्टमॉर्टम के बाद शव ससुराल पहुंचा। रिवाज के मुताबिक मुखाग्नि पति को देनी थी, लेकिन उसकी हालत गंभीर है। परिवार ने फैसला लिया कि ससुर मुखाग्नि देंगे। इसके बाद ससुराल में ही बहू को ससुर ने मुखाग्नि दी। इस दौरान दुल्हन शादी के जोड़े में ही थी। अंतिम संस्कार में लड़की भी पूरा परिवार मौजूद था। 27 मई को ये शादी हुई थी। 28 को दुल्हन की विदाई थी। इसी दिन सुबह हादसा हुआ। गुरुवार को पटना में इलाज के दौरान दुल्हन की मौत हो गई।

भाई बोला- नहीं पता था बहन अब कभी नहीं लौटेगी : 28 मई को ये हादसा बिहिया-बिहटा स्टेट हाईवे पर हुआ था। ससुर ओमप्रकाश उर्फ बधारी यादव ने मुखाग्नि दी। दुल्हन के भाई धनजी ने बताया- 27 मई को धूमधाम से बहन की शादी हुई थी। घर की सबसे छोटी थी। शादी में हम लोगों ने अपने हैसियत से बढ़कर अरेजमेंट किया था। अगले दिन 28 मई को खुशी-खुशी उसे विदा था। मैंने खुद उसका कन्यादान किया था। किसे पता था, अब वो लौटकर घर नहीं आएगी।

कार की पीछे वाली सीट पर बैठी थी दुल्हन : दुल्हन ललिता देवी (21) शादी के बाद पहली बार पति मोनू कुमार (25) के साथ ससुराल जा रही थी। इस दौरान सिकरहट्टा थाना क्षेत्र के सिकरौल गांव के पास तेज रफ्तार ट्रक ने कार में टक्कर मार दी। ट्रक ड्राइवर ने बाएं साइड से जोरदार टक्कर मारी। उसी साइड आगे दूल्हा और दुल्हन पीछे बैठी हुई थी। हादसे में दूल्हा-दुल्हन सहित 6 लोग घायल हो गए थे। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। प्राथमिक इलाज के बाद डॉक्टरों ने दुल्हन ललिता देवी (21) को पटना रेफर कर दिया था। जहां गुरुवार को उसकी मौत हो गई। दूल्हा मोनू कुमार जिंदगी और मौत के बीच जंग लड़ रहा है। दुल्हन जिस लिबास में विदा हुई थी, उसी लिबास में उसका पोस्टमॉर्टम सदर अस्पताल में कराया गया। दुल्हन चार भाई-बहन में तीसरे स्थान पर थी। पिता दूधनाथ सिंह की मौत 10 साल पहले ही मौत हो चुकी है।

दुकान में घुसकर बदमाशों ने मारी थी गोली

महुआ में व्यवसाय की हत्या पर चिराग पासवान का दौरा : पीड़ित परिवार के परिजनों से की मुलाकात

हाजीपुर (वैशाली), एजेंसी। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने वैशाली के महुआ में दिवंगत गल्ला व्यवसाय विनोद चौधरी के परिजनों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने मीडिया से बातचीत में कई अहम मुद्दों पर चर्चा की। प्रधानमंत्री की बिहार यात्रा पर बोलते हुए चिराग ने कहा कि मोदी जी लोकसभा चुनाव से पहले किए गए वादों को पूरा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की प्राथमिकताओं में बिहार शामिल है। बिहार में बड़ी योजनाएं लागू हो रही हैं। प्रधानमंत्री का मानना है कि देश तब तक विकसित नहीं होगा, जब तक बिहार विकसित नहीं होगा। डबल इंजन की सरकार विकास को तेज गति से आगे बढ़ा रही है। पटना एयरपोर्ट का उद्घाटन इसी का उदाहरण है।

24 मई को 3 बदमाशों ने मारी गोली

दरअसल, घटना 24 मई की है। विनोद चौधरी अपने बेटे राहुल कुमार के साथ दुकान में बैठकर हिसाब-किताब कर रहे थे। उसी दौरान एक बाइक पर सवार तीन बदमाश दुकान में दाखिल हुए। उन्होंने पिस्टल निकालकर लूटपाट शुरू कर दी। घायल राहुल से मोबाइल छीना गया और जब विनोद चौधरी ने रुपयों देने से इनकार किया, तो एक बदमाश ने सीने में गोली मार दी। मौके पर ही विनोद चौधरी की मौत हो गई।

घायल ने एक बदमाश को पकड़

राहुल ने साहस दिखाते हुए गोली चलाने के बाद भाग रहे एक बदमाश को पकड़ लिया। स्थानीय लोगों ने उसकी जमकर पिटाई कर दी। पकड़े गए बदमाश ने बताया कि मझिया गांव के सैयक्क नामक युवक ने गोली चलाई और उसे सिर्फ बाइक चलाने के लिए बुलाया गया था।

असामाजिक तत्वों के खिलाफ कार्रवाई की मांग

बिहार में बढ़ती आपराधिक घटनाओं पर चिंता जताते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कानून व्यवस्था राज्य सरकार का विषय है। उन्होंने मांग की कि राज्य सरकार और प्रशासन को असामाजिक तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। एनडीए में सीट बंटवारे पर चिराग ने कहा कि यह गठबंधन की आंतरिक बात है। एनडीए के पांचों दल जल्द ही एक साथ बैठकर विधानसभा सीटों का बंटवारा तय कर लेंगे।

चिराग पासवान लड़ेंगे विधानसभा चुनाव? एलजेपी-आरवी करा रही सर्वे

हाजीपुर, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने बिहार विधानसभा चुनाव लड़ने पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है पार्टी इसके लिए सर्वे करा रही है। किसी पार्टी के बड़े नेता चुनाव लड़ते हैं तो गठबंधन को भी फायदा होता है। चिराग पासवान पहले भी इस बात के संकेत दे चुके हैं। हाजीपुर पहुंचे केंद्रीय मंत्री ने विधानसभा चुनाव लड़ने के सवाल पर मना नहीं किया। पटना में उन्हें सीएम बनाने की मांग वाले पोस्टर भी लगाए जा चुके हैं। लोजपा आरवी के सुप्रीमो और पूर्व केंद्रीय मंत्री रामविलास पासवान के बेटे चिराग पासवान गुरुवार को हाजीपुर पहुंचे थे। क्षेत्र की जनता से मुलाकात के बाद उन्होंने मीडिया कर्मियों से बात की। जब उनसे पूछा गया कि क्या विधानसभा चुनाव लड़ेंगे। इस पर उन्होंने कहा कि पार्टी की ओर से यह तय किया जाता है तो वे अवश्य लड़ेंगे। अभी पार्टी इसके लिए सर्वे करा रही है। वे खुद कोई निर्णय नहीं लेंगे लेकिन पार्टी जनों का फैसला होगा तो वे पीछे नहीं रहेंगे। उन्होंने कहा कि बड़े नेता चुनाव लड़ते हैं तो पार्टी और गठबंधन दोनों को फायदा होता है। इससे पहले चिराग पासवान ने कई मौकों पर कहा कि उनकी रुचि बिहार की राजनीति में ज्यादा है। उन्होंने कहा कि बिहार की जनता की भलाई और बिहार का विकास उनकी राजनीति का मुख्य मुद्दा है। लोजपा आरपी सुप्रीमो बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट अभियान भी चला रहे हैं। पिछले दिनों उन्होंने बिहार के सीएम नीतीश कुमार से उनके आवास पर जाकर मुलाकात की और राज्य के हित के मुद्दों पर चर्चा की। पार्टी का कार्यकारिणी की बैठक में तय किया गया कि चिराग पासवान की भूमिका बड़ी होगी और दलित नेता के बदले बहुजन के नेता के रूप में उनकी छवि विकसित की जाएगी।

बिहार अल्पसंख्यक आयोग में सिख समाज को मिला प्रतिनिधित्व

किशनगंज, एजेंसी। बिहार राज्य अल्पसंख्यक आयोग ने गुरुवार को कमेटी का पुनर्गठन किया। किशनगंज के सरदार लखविंदर सिंह (लक्खा) को आयोग का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। साथ ही, किशनगंज बार एसोसिएशन के अध्यक्ष शिशिर कुमार दास को सदस्य बनाया गया है। दोनों नेताओं के रात में किशनगंज पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया। भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने पुष्पगुच्छ भेंट किए। समर्थकों ने शहर में जुलूस निकाला और आतिशबाजी की। नवनियुक्त उपाध्यक्ष लखविंदर सिंह ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि लंबे समय बाद सिख समाज को आयोग में प्रतिनिधित्व मिला है। वे इस जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा से निभाएंगे। सदस्य बने शिशिर कुमार दास ने आयोग में मौजूद कमियों को दूर करने का संकल्प लिया।

गर्मी के साथ बढ़ी बिजली खपत, लोड 350 मेगावाट तक पहुंचा

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। दो दिन से अधिकतम तापमान 35 डिग्री पार चल रहा है। लोग पंखा और एसी का इस्तेमाल अधिक कर रहे हैं। इससे दोपहर में बिजली का लोड बढ़ रहा है। दो दिन से जिले का बिलजी लोड 300 मेगावाट को पार कर चुका गया है। दोपहर में यह 350 मेगावाट तक पहुंच गया। इससे कई फीडरों को रोटेशन पर बिजली आपूर्ति मिली है। दोपहर और रात में करीब 100 मेगावाट बिजली की मांग बढ़ जा रही है। वर्तमान में ग्रिड से पावर सब स्टेशन से करीब 250-275 मेगावाट बिजली ही मिल पर रही है। शहर के बालूघाट, सिकंदरपुर, जीरो माइल, अहियापुर, सदातपुर, दामोदरपुर, चांदनी चौक, भगवानपुर, गोबरसही, रामदयालु, अघोरिया बाजार, लक्ष्मी चौक, दाउदपुर कोठी, न्यू पुलिस लाइन, चांदवारा, मालीघाट, बेला आदि इलाके में गुरुवार को बिजली आपूर्ति सुचारु नहीं रही। हर दो घंटा पर बिजली कटती रही। लोग परेशान रहे। कस्टमटर केयर से भी बिजली उपभोक्ताओं को सटीक जानकारी नहीं मिल रही थी। वहीं एमआईटी इलाके में गुरुवार की सुबह से ही बिजली की ट्रिपिंग हो रही थी। दोपहर में ट्री-कटिंग के नाम पर बिजली बंद कर दी गयी।

दोपहर 12 से 02 बजे तक नहीं थी बिजली

दाउदपुर कोठी के दीपक कुमार सिंह, उमेश रंजन श्रीवास्तव, प्रशांत कुमार आदि ने बताया कि दोपहर 12 बजे से दो बजे तक बिजली नहीं थी। इस दौरान घर में भी उमस भरी गर्मी से परेशान रहे। वहीं मालीघाट के मंजय रस्तोगी, सुनीता देवी, खादी भंडार से आशुतोष कुमार और बावन बीघा के अभिषेक कुमार ने बताया कि बिजली आवाजाही से अधिक परेशानी हुई। इन लोगों ने बताया कि बीते कुछ दिनों से बिजली आपूर्ति व्यवस्था खराब हो गयी है। कस्टमर केयर भी सही तरीके से जानकारी उपलब्ध नहीं करा रही है। ग्रामीण इलाकों की स्थिति और खराब ग्रामीण इलाकों में बिजली आपूर्ति की स्थिति और खराब है। यहां एक बार बिजली कटने पर दो से चार घंटे बाद ही आ पाती है। मरवन के मो. रईस, पारू के संवेदक मनीष कुमार, देवरिया के पंकज साहू ने बताया कि दिन में बिजली कटने पर कुछ घंटों में आने की संभावना रहती है। पर रात में अगर कटी तो अगली सुबह ही आती है। इसके अलावा कुढ़नी, सरैया, मुशहरी, बोचहां, औराई, कटरा, कांटी, साहेबगंज प्रखंड इलाके में भी बिजली आपूर्ति सही नहीं होने से गर्मी में बिजली उपभोक्ता परेशान है।

संक्षिप्त समाचार

मोतिहारी पुलिस ने 8 माह में 63 अपराधियों को दिलायी सजा

न्यायालय में पेंडिंग ट्रायल का लगातार हो रहा है रिव्यू

बीएनएम। मोतिहारी : पूर्वी चंपारण। जिला पुलिस अपराध पर लगाम लगाने के अलावा अपने प्रयास के द्वारा कोर्ट से अपराधियों को सजा दिलाने में भी बेहतर पहल कर रही है। एसपी स्वर्ण प्रभात के मुताबिक पुलिस की तत्परता से पिछले आठ माह में कुल 31 मामलों में 63 अपराधियों को कोर्ट के द्वारा सजा दिलाई गई है। इसमें कई संगीन मामलो के अपराधी भी शामिल है। मसलन चकिया में चर्चित बैंक डकैती का मुख्य अभियुक्त त्रिवेदी और कन्हैया को सजा सुनाई गई , तो घोड़ासहन के शातिर शटर कटवा गैंग एवं मादक पदार्थ का कारोबारी चेलवा व बेलवा को भी 10 से 15 साल की कठोर सजा दिलाई गई है। पुलिस के आंकड़ों के मुताबिक एनडीपीएस के 18 मामलों में 22 , हत्या के आठ मामलों में 36 , पॉक्सो के एक मामलों में एक,एससी एसटी के एक मामले में एक एवं सामान्य अपराध के तीन मामले में 3 अपराधियों को सजा दिलाई गई है। पुलिस कोर्ट के मामलों का भी लगातार रिव्यू कर रही है। बताया गया है कि सजा दिलाने वाले मामलों की आने वाले दिनों में और बढ़ोतरी होगी।

सिकरहना नदी में डूबे तीन बच्चे,दो की मौत,एक को लोगों ने बचाया

बीएनएम। मोतिहारी : पूर्वी चंपारण। जिले के सुगौली प्रखंड होकर बहने वाली सिकरहना नदी में शुक्रवार को नहाने के दौरान तीन बच्चे डूब गये,जिसमे से एक बच्ची को ग्रामीणों ने बचा लिया और दो बच्चे की अभी खोज की जा रही है। ग्रामीणों से मिली जानकारी के अनुसार प्रखंड के उत्तरी छपरा बहास पंचायत के कैथवलिया गांव के बच्चे सिकरहना नदी के किनारे साहू टोला छठ घाट पर नहाने गये थे।इसी दौरान तीन बच्चे नदी के गहरे पानी में चले गए और डूब गये।बच्चों को डूबते देख साथ नहा रहे बच्चों ने शोरगुल किया और गांव में इसकी जानकारी दी,जिसके बाद ग्रामीणो व स्थानीय गोताखोरों की मदद से बच्चों की खोजबीन शुरू की गई।खोज के दौरान एहसान मियां की बच्ची नजमा खातून को जिंदा बचा लिया गया। वही हसमुद्दीन अंसारी की पुत्री नजेया खातून को खोज निकाला गया जिसकी मौत हो चुकी है। मुस्तकीन अंसारी का पुत्र शहजाद अंसारी की तलाश जारी है। सुगौली अंचलाधिकारी ने बताया कि एक बच्चे अभी लापता है,जिसकी खोज के लिए एसडीआरएफ की टीम को बुलाया गया है।घटना के बाद पूरे गांव में मातमी सन्नाटा पसरा है। मृतक बच्चों के परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है।

बेतिया में पति-पत्नी समेत चार गिरफ्तार

बीएनएम। मोतिहारीः बेतिया। बेतिया पुलिस जिला स्थित श्रीनगर थाना की पुलिस ने विभिन्न क्षेत्र के दो अलग-अलग जगह से चार लोगों को गिरफ्तार किया है। श्रीनगर थानाध्यक्ष संजीव कुमार ने बताया कि शुक्रवार को आरोपित उर्मिला देवी पति केदार राम एवं केदार राम पति शंकर राम को पुलिस ने गिरफ्तार की है । उक्त मामले में थाना क्षेत्र के कोहडा बैंगही निवासी लालसा देवी द्वारा 7 जनवरी 2025 को दिए गये फर्दब्यान के आधार पर श्रीनगर थाना में एफआईआर दर्ज की गई थी, जिसमें मारपीट के दौरान लोग जख्मी हो गए थे । उक्त मामले में नौ लोगों को नामजद अभियुक्त बनाया गया था । वहीं एक दूसरे मामले में मैनेजर यादव पिता स्वर्गीय खेदु यादव एवं सुगाति देवी पति मैनेजर यादव को गिरफ्तार किया गया है। इस मामले में थाना क्षेत्र के कोहडा बेगही वार्ड नंबर 12 निवासी रीना देवी के द्वारा 6 माह पहले दिया गया फर्दब्यान के आधार पर आठ लोगों पर एफआईआर की गई थी। आरोपियों पर मारपीट के मामले में केस दर्ज किया गया है । जिसके आलोक में पुलिस ने उक्त आरोपियों को गिरफ्तार किया है । सभी गिरफ्तार आरोपियों को न्यायिक हिरासत में शुक्रवार को बेतिया जेल भेज दिया गया है।

भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक, विधानसभा चुनाव जीतने की बनी रणनीति

बीएनएम। मोतिहारी : भागलपुर। आगामी बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं की एक बैठक शुक्रवार को आयोजित की गई। तिलकामांझी मंडल के तत्वावधान में आयोजित इस बैठक की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष सोमनाथ शर्मा ने की। बैठक का उद्घाटन भाजपा जिला अध्यक्ष संतोष साह, पूर्व जिला अध्यक्ष रोहित पांडे और भाजपा नेत्री डॉ. प्रीति शेखर ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। बैठक का मुख्य उद्देश्य भागलपुर विधानसभा क्षेत्र में एनडीए उम्मीदवार की प्रचंड जीत सुनिश्चित करने के लिए रणनीति बनाना था। बैठक में बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने, कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने और मतदाताओं से सीधा संवाद बढ़ाने जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की गई। नेताओं ने कार्यकर्ताओं से अपील किया कि वे एकजुट होकर चुनावी तैयारियों में जुट जाएं, ताकि भाजपा की नीति और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व को जन-जन तक पहुंचाया जा सके।

ज्ञानार्जन का आधार है ज्ञान प्राप्त करने की इच्छाः उमाशंकर पोद्दार

बीएनएम। मोतिहारी : भागलपुर। सैनिक स्कूल गणपतराय सलारपुरिया सरस्वती विद्या मंदिर नरगाकोठी भागलपुर में शुक्रवार को भारती शिक्षा समिति एवं शिशु शिक्षा प्रबंध समिति के तत्वाधान में चल रहे नवीन आचार्य प्रशिक्षण वर्ग, सेवा स्थायित्व वर्ग एवं कार्यरत आचार्य प्रशिक्षण वर्ग के चतुर्थ दिवस शुक्रवार का प्रारंभ विद्या भारती उत्तर पूर्व क्षेत्र के क्षेत्रीय संगठन मंत्री ख्यालीराम, प्रदेश सचिव प्रदीप कुमार कुशवाहा, वर्ग के प्रधानाचार्य उमाशंकर पोद्दार, प्रशिक्षणार्थी रंजन कुमार एवं साक्षी कुमारी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इस मौके पर उमाशंकर पोद्दार ने कहा कि विद्या बौद्धिक साधना है। विषय का ज्ञान हम सबों के पास है, किंतु उसे पद्धति में समाहित करना है। छात्रों के लिए पढ़ने का उचित वातावरण तैयार करना है। बच्चों के अंदर सारी प्रतिभाएं हैं। हमें उसका प्रस्फुटिकरण करना है। कोई भी बालक जब ज्ञानार्जन की प्रक्रिया में तैयार होता है तो उस समय ध्यान रखना है कि विषय के प्रति एकाग्र है या नहीं। विद्या भारती के आधारभूत विषय योग शिक्षा, शारीरिक शिक्षा, संगीत शिक्षा, संस्कृत शिक्षा, नैतिक एवं आध्यात्मिक शिक्षा के आधार पर विषय की प्रस्तुति करना है। इस अवसर पर ब्रह्मदेव प्रसाद, वर्ग के मीडिया प्रभारी राकेश नारायण अंबष्ट, सतीश कुमार सिंह, वीरेंद्र कुमार, शशि भूषण मिश्र एवं सभी प्रशिक्षणार्थी उपस्थित थे।

तिरहुत प्रमंडल के 112 शिक्षक होंगे सम्मानित, तैयारी पूरी

बीएनएम। मोतिहारी

बिहार के सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के क्षेत्र में दी बिहार टीचर हिस्ट्री मेकर्स, मेरा मोबाइल मेरी शिक्षा और फेसबुक मंच द्वारा जिले की शिक्षकों के बीच एक विशेष पहल की जा रही है । इस कार्यक्रम के अंतर्गत उन शिक्षकों को सम्मानित करने का प्रावधान है, जो पारंपरिक शिक्षण पद्धति के बदले नवीन तरीकों से बच्चो के बीच शिक्षा का अलख जगाने का कार्य करते है। इस क्रम में एक तिरहुत प्रमंडल स्तरीय अवॉर्ड फंक्शन का आयोजन दिनांक 1 जून 2025 को मोतिहारी स्थित जिला परिषद सभागार में किया जा रहा है। कार्यक्रम में जिला परिषद अध्यक्षा एवं महापौर शिरक्कत करेंगी । इस समारोह में प्रमण्डल स्तर के 6 जिलों से 112 उत्कृष्ट नवाचारी शिक्षको को सम्मानित किया जाएगा, ये सभी शिक्षक न केवल अपनी कक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन करते है, बल्कि शिक्षा की गुणवता सुधारने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे है। इन शिक्षकों के प्रयास छात्रों में सीखने की उत्सुकता को बढाना और एक बेहतर भविष्य की ओर अग्रसर करना रहा है। यह सम्मान समारोह उन तमाम शिक्षकों के लिए प्रेरणास्त्रोत बनेगा, जो सीमित संसाधनो के बावजुद शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार और सर्मपण से कार्य कर रहे है।

जनता के दरबार में जिला प्रशासन कार्यक्रम अंतर्गत कुल 65 आवेदन प्राप्त हुए

बीएनएम। मोतिहारी

शुक्रवार को शहर के समाहरणालय स्थित डॉ. राधाकृष्णन भवन सभागार में आयोजित कार्यक्रम जनता के दरबार में जिला प्रशासन द्वारा जिले के विभिन्न अंचलों से आए 65 आवेदनकर्ताओं की समस्याओं पर अपर समाहर्ता आपदा राजेश्वरी पांडे की अध्यक्षता में जिला स्तरीय पदाधिकारी गण के द्वारा सुनवाई की गई। प्राप्त शिकायतों पर संज्ञान लेते हुए एडीएम ने कहा कि आज जो आवेदन प्राप्त हुए हैं उस पर संबंधित पदाधिकारी के स्तर से करवाई कराते हुए शीघ्र ही समस्या का विधिसम्मत निदान सुनिश्चित किया जाएगा। आज भूमि विवाद, अतिक्रमण वाद, राजस्व विभाग से संबंधित अधिकांश आवेदन प्राप्त हुए जिसके शीघ्र निष्पादन हेतु संबंधित पदाधिकारी को आवश्यक दिशा निर्देश के साथ भेज देने का निर्देश प्रभारी पदाधिकारी जिला जन शिकायत कोषांग को दिया गया। आज के जनता के दरबार कार्यक्रम मे अपर समाहर्ता आपदा प्रबंधन के साथ वरीय उप समाहर्ता अमरेश कुमार, यशवंत कुमार, मंगला कुमारी सहित अन्य जिलास्तरीय अधिकारियों ने जनता दरबार में आए लोगों से मिलकर उनकी शिकायतों का समाधान किया।

बिहार बदलाव यात्रा में हरसिद्धि और पताही में प्रशांत किशोर आज जनसभा को करेंगे संबोधित

बीएनएम। मोतिहारी

बिहार में संपूर्ण क्रांति और व्यवस्था परिवर्तन के उद्देश्य से 20 मई को जेपी की जन्मभूमि सिताब दियारा से शुरू की गई 'बिहार बदलाव यात्रा' के तहत शुक्रवार को जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर 'बिहार बदलाव सभा' में शामिल होने पूर्वी चंपारण आएंगे। वे पूर्वी चंपारण में दो जनसभाओं को संबोधित करेंगे। उनकी पहली जनसभा जिले के हरसिद्धि प्रखंड में और दूसरी जनसभा पताही प्रखंड में होगी। जनसभा से पहले प्रशांत किशोर का जिले में विभिन्न स्थानों पर पार्टी कार्यकर्ताओं और आम जनता द्वारा ढोल नगाड़ों के साथ स्वागत किया जाएगा। जन सुराज के सूत्रधार के आगमन को लेकर पूरे जिले के कार्यकर्ताओं में काफी उत्साह है और आज हजारों की संख्या में लोग उन्हें सुनने के लिए जनसभा में शामिल हो रहे हैं। 20 मई से सारण जिले के सिताब दियारा से शुरू की गई 'बिहार बदलाव यात्रा' का उद्देश्य बिहार की जनता को व्यवस्था परिवर्तन के लिए जागरूक करना और आगामी विधानसभा चुनाव में जन सुराज के तौर पर एक मजबूत विकल्प जनता के समक्ष रखना। इस यात्रा के तहत प्रशांत किशोर अगले 120 दिन में बिहार के सभी 243 विधानसभा सीटों का दौरा करेंगे और जनता से सीधा संवाद स्थापित करेंगे। बिहार को बदहाली से निकाल कर देश के अग्रणी राज्यों की श्रेणी में शामिल करने के सपने को लेकर प्रशांत किशोर राज्यव्यापी यात्रा पर एक बार फिर से निकले हैं।

ससुर को गोली मारकर हत्या मामले में बहू को आजीवन कारावास

बीएनएम। मोतिहारी

पूर्वी चंपारण। पंचम अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश राकेश कुमार तिवारी ने गोली मारकर हत्या मामले में दोषी पाते हुए नामजद एक अभियुक्त को आजीवन कारावास व पंद्रह हजार रुपए अर्थ दंड की सजा सुनायी है। अर्थ दंड नहीं देने पर तीन माह की अतिरिक्त सजा काटनी होगी। सजा पताही थाना के वीरता टोला निवासी इस्लाम मियां की पुत्री व मेहरुद्दीन अंसारी की पत्नी रुखसाना खातून को हुई। मामले में चिरैया थाना के रामपुर निवासी मृतक की पत्नी मतीजन खातून ने अपनी बड़ी बहु रुखसाना खातून, उसके पिता इसलाम अंसारी, उसकी बहन सहाना खातून तथा सहाना खातून के पति जुबैर अंसारी को आरोपित करते हुए चिरैया थाना कांड संख्या 57/2008 दर्ज कराई थी, जिसमें कहा गया था कि 1 जून 2008 की रात्रि करीब 8.45 बजे वे अपने पति गुदर अंसारी के साथ खाना खाकर बरामदा में बैठी थी, उसी दौरान नामजद लोग हरवे हथियार से लैस होकर आए और उसके पति को गोली मारकर हत्या कर दी। अनुसंधानकर्ता ने अनुसंधान के बाद एक अभियुक्त रुकसाना खातून के विरुद्ध धारा 147,148,149,302,452 भादवि एवं 27 आर्म्स एक्ट में आरोप पत्र न्यायालय में समर्पित किया। सत्रवाद संख्या 318/2009 विचारण के दौरान अपर लोक अभियोजक सुभाष प्रसाद यादव ने आठ गवाहों को न्यायालय में प्रस्तुत कर गवाही कराई थी। दोनों पक्षों के दलीलें सुनने के बाद न्यायाधीश ने अभियुक्त रुकसाना खातून को दोषी करार देते हुए उक्त सजा सुनाए है।

नैक ने विधि महाविद्यालय को दिया उत्कृष्ट सीजीपीए व ग्रेडिंग

बीएनएम। मोतिहारी

नवादा। नेशनल एसेसमेंट एंड एक्रीडिटेशन काउंसिल ने अपने जांच रिपोर्ट के आधार पर नवादा विधि महाविद्यालय नवादा को 2.25 सीजीपीए के साथ ही बी ग्रेड प्रदान किया है। जिससे अब नवादा विधि महाविद्यालय बिहार राज्य के दूसरा बेहतर विधि महाविद्यालय के रूप में अपने को स्थापित कर लिया है । नवादा विधि महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर डीएन मिश्रा ने शुक्रवार को आयोजित प्रेस वार्ता में बताया कि मगध विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ सूर्य प्रताप शाही, कुल सचिव तथा हमारे कॉलेज के मेंटर के रूप में काम कर रहे चाणक्य विधि महाविद्यालय पटना के डीन डॉक्टर अजय कुमार का बड़ा योगदान रहा है । उन्होंने कहा है कि इस बेहतरी के लिए कालेज कर्मियों के साथही नवादा के बुद्धिजीवियों का भी बेहतर योगदान रहा है। डॉक्टर डी एन मिश्रा ने बताया कि भारत के विश्वविद्यालय अनुदान आयोग जैसी सर्वोच्च संस्था उसी कॉलेज को अनुदान देती है। जिस कॉलेज की जांच नेशनल एसेसमेंट एंड एग्रीगेशन काउंसिल कर अपना बेहतर रिपोर्ट प्रदान करती । उन्होंने कहा कि 19 तथा 20 मई को वर्चुअल तरीके से अचानक जांच किया गया ।जिसमें जांच पदाधिकारी ने नवादा विधि महाविद्यालय के भवन ,उपस्कर ,पुस्तकालय , विधि विशेषज्ञ के जनरल,शैक्षणिक व्यवस्था के गुणवत्ता जैसे सात मामलों की जांच कर ग्रेडिंग प्रदान की। उन्होंने कहा कि तीन सदस्यीय कमेटी की जांच रिपोर्ट ने उनके कॉलेज को बी ग्रेड प्रदान किया है । उन्होंने यह भी बताया की 2.25 सीजीपीए प्रदान कर नवादा विधि महाविद्यालय को बी ग्रेड की जांच के मानक में उत्कृष्टता प्रदान किया जाना गौरव का विषय है। जिसके लिए कॉलेज के कर्मचारी नेहा ,संतोष कुमार, डॉ मिहिर ,सपना राजमणि आदि का विशेष योगदान रहा ।उन्होंने कहा कि दिन-रात एक कर सारे कर्मचारी तथा प्राध्यापकों ने काम किया । उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय से नामित यू आर धर्मेंद्र प्रसाद तथा शिक्षकों ने भी बेहतर योगदान किया। इस कारण आज कॉलेज इस मुकाम पर पहुंचा है ।उन्होंने कहा कि 5 साल के लिए यह उत्कृष्ट बी ग्रेडिंग कॉलेज को प्रदान किया गया है। जो बिहार का दूसरा तथा मगध विश्व विद्यालय का प्रथम बिधि कालेज है। उन्होंने कहा कि अपने बेहतर कार्य के बल पर अगली जांच रिपोर्ट में सर्वोत्कृष्ट ए ग्रेट हासिल कर नवादा वासियो को जरूर गौरवान्वित करेंगे।

एक देशी कट्टा और तीन जिंदा कारतूस के साथ दो गिरफ्तार

बीएनएम। मोतिहारी

रामगढ़वा (पूर्वी चंपारण): शुक्रवार को पलनावा पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए सिसवानिया गांव में छापेमारी कर एक देशी कट्टा और तीन जिंदा कारतूस बरामद किए। इस कार्रवाई के दौरान दो लोगों को गिरफ्तार किया गया। थानाध्यक्ष सीता केवट ने बताया कि उन्हें गुप्त सूचना मिली थी कि सिसवानिया गांव में कुछ संदिग्ध गतिविधियां चल रही हैं। सूचना के सत्यापन के बाद पुलिस टीम ने मौके पर छापा मारा और वहां से जोखन गदी, पिता स्वर्गीय फुल गदी, और अशरफ गदी, पिता स्वर्गीय खलिल गदी को गिरफ्तार किया। दोनों आरोपी सिसवानिया गांव के ही निवासी हैं। पुलिस ने उनके पास से एक देशी कट्टा और तीन जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों के खिलाफ थाना कांड संख्या 92/25 के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है तथा उन्हें न्यायिक प्रक्रिया के तहत माननीय न्यायालय में प्रस्तुत कर दिया गया है। इस छापेमारी अभियान में दरोगा रामबचन भगत, शशिभूषण कुमार सहित पुलिस बल के अन्य सदस्य भी शामिल थे।

हिंदी पत्रकारिता दिवस पर रक्सौल में पत्रकारों को किया गया सम्मानित

बीएनएम। मोतिहारी

पूर्वी चंपारण। हिंदी पत्रकारिता दिवस के अवसर पर स्वच्छ रक्सौल संगठन के अध्यक्ष रंजीत सिंह व संगठन के महिला इंचार्ज शाबरा खातून की अगुवाई में एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें रक्सौल नगर के पत्रकारों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में रंजीत सिंह ने पत्रकारों की भूमिका को लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि पत्रकार अपनी निर्भीक लेखनी और बेबाक वक्तव्यों के माध्यम से समाज को सही दिशा दिखाने का कार्य करते हैं। पत्रकार विभिन्न माध्यमों जैसे अखबार, पत्रिका, रेडियो, टेलीविजन और इंटरनेट पोर्टल—के जरिए नागरिकों और शासन को देश-विदेश तथा स्थानीय घटनाओं की सटीक जानकारी देते हैं। उनका प्रयास समाज के लिए सदैव मार्गदर्शक रहा है। रंजीत सिंह ने कहा कि पत्रकार सदैव एक सच्चे सिपाही की तरह समाज के लिए संघर्ष करते हैं और निष्पक्षता से जनता की आवाज बनते हैं। उन्होंने इस अवसर पर सभी पत्रकारों को उनके योगदान के लिए धन्यवाद दिया और आशा जताई कि वे भविष्य में भी निर्भीक पत्रकारिता करते रहेंगे। कार्यक्रम के अंत में सभी पत्रकारो सम्मानित किया गया। समारोह में कई समाजसेवी और गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

डीआईजी के रिपोर्ट के बाद रक्सौल डीएसपी की बढेगी मुश्किले

बीएनएम। मोतिहारी

पूर्वी चंपारण। रक्सौल डीएसपी धीरेंद्र कुमार की मुश्किलें अब बढने वाली है। चंपारण रेंज के डीआईजी हर किशोर राय ने एसडीपीओ के खिलाफ जांच पूरी कर विभाग को रिपोर्ट सौंप दी है, जिससे उनके खिलाफ कार्रवाई की संभावना प्रबल हो गई है। मामले की शुरुआत रक्सौल के एक कपड़ा व्यवसायी टुन्ना प्रसाद की शिकायत से हुई थी, जिन्होंने डीएसपी और थानाध्यक्ष पर कपड़े लेने के बावजूद भुगतान न करने, फर्जी मुकद्दमा कर अवैध वसूली और धमकी देने जैसे गंभीर आरोप लगाए थे। यह घटना आदापुर थाना क्षेत्र के भेड़िहारी की है। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए डीआईजी स्वयं रक्सौल पहुंचे और जांच की। जांच में कई अहम तथ्य सामने आए हैं। डीआईजी कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार डीएसपी कार्यालय में पदस्थापित सिपाही नीरज कुमार पर अवैध वसूली में संलिप्तता के आरोप पाए गए हैं। इस पर मोतिहारी एसपी को कार्रवाई का निर्देश जारी कर दिया गया है। डीआईजी की रिपोर्ट में यह बात सामने आई है कि बिचौलियों के माध्यम से पैसा वसूला जा रहा था और इसकी जानकारी डीएसपी को थी। इसके अलावा, डीएसपी द्वारा घटनास्थल पर गए बिना ही कार्यालय में बैठकर रिपोर्ट तैयार करने का मामला भी रिपोर्ट में दर्ज है। इसके साथ ही, रिपोर्ट में कुछ अन्य गंभीर बाते भी शामिल है। उल्लेखनीय है,कि इस पूरे प्रकरण की जांच के बाद डीआईजी ने रक्सौल थानाध्यक्ष राजीव नंदन सिन्हा को तत्काल निलंबित कर दिया। साथ ही, एक कथित बिचौलिया शिवपूजन शर्मा की गिरफ्तारी के साथ एक चौकीदार को निलंबित करने का भी आदेश दिया गया है। दूसरी ओर यह भी चर्चा है,कि रक्सौल डीएसपी ने डेढ़ वर्ष के अंदर दो सौ से अधिक ड्रग तस्कर के विरुद्ध कार्यवाई की है, जिसमें कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय भी शामिल है। कही इन बड़े तस्कर गिरोह के सदस्य तो कोई साजिश नही कर रहे है। रक्सौल और उसके आसपास से 2025 में ही 60 ड्रग्स तस्करों को पकड़ा गया है। जिसमे अंतराष्ट्रीय ड्रग तस्कर असलम, अख्तर मुखिया, नेजाम, रिजवान, अबुलेश, टिंकू मिया, राहूल, रवि गुप्ता जैसे बड़े ड्रग माफिया शामिल है। इसके अलावा एसपी स्वर्ण प्रभात के निर्देश पर डीएसपी धीरेन्द्र कुमार ने फर्जी तरीके से लड़को को नौकरी के नाम पर फंसा कर नेटवर्क कंपनी चलाने बाले गिरोह का भी खुलासा किया था जिसमे 500 से अधिक बच्चों का रेस्क्यू किया गया था। फिलवक्त लोगो को ईमानदार छवि के तेजतर्रार आईपीएस डीआईजी हरकिशोर राय के उस गोपनीय रिपोर्ट पर होने वाली कारवाई का इंतजार है,जिसे उन्होने बिहार पुलिस मुख्यालय को भेजी है।

संक्षिप्त समाचार

दो भाइयों के साथ की मारपीट

बीएनएम।जमुई /झाझा। नगर क्षेत्र के बाबुबांक मुहल्ले में दो भाइयों के साथ बगलगीर के रहने वाले तीन लोगों ने मारपीट कर घायल कर देने व छिनतई की घटना को अंजाम दिया जिसका प्राथमिकी थाना में दर्ज हुई है। इस संदर्भ में पीड़ित अभिषेक कुमार रजक ने दर्ज आवेदन में बताया कि मेरे बगलगीर नीरज रजक, रोहित रजक, विवेक रजक ने छत पर लगे पानी टँकी में लोहे के रॉड से छेद कर दिया जिसका विरोध किया तो तीनों भाइयों ने मेरे साथ गाली गलौज कर मारपीट करने लगा और रोहित ने सिर पर लाठी से वार कर घायल कर दिया। जब मेरा बड़ा भाई रामविलास रजक मुझे बचाने के लिए आया तो उक्त तीनों ने उसके साथ भी मारपीट कर उसे घायल कर दिया और उसके बाद बलपूर्वक उनलोगों ने मेरे भाई के गले से सोने का चैन छीन लिया और मोबाइल पटक कर तोड़ दिया। जब डायल 112 की पुलिस सूचना पर मौके स्थल पर पहुंची तो वे लोग भाग निकला। पीड़ित ने बताया कि पुरानी रंजिश को लेकर बार बार मारपीट की घटना उक्त लोग हमलोगों के साथ करता है।

बड़े भाई के साथ की मारपीट

बीएनएम। जमुई /झाझा। थाना क्षेत्र के अलकजरा गांव के रहने वाले एक व्यक्ति ने अपने बड़े भाई के साथ मारपीट एवं दुकान को तोड़ फोड़ कर रुपए निकाल लिए जाने को लेकर थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। इस संदर्भ में अमृत कुमार यादव ने दर्ज आवेदन में बताया कि मेरा मंझला भाई सुरेश यादव के साथ पंचायती हो रहा था। पंचायती के दौरान मंझला भाई से कहासुनी हो गया जिसके बाद मंझला भाई, भाभी उर्मिला देवी, भतीजा अरुण कुमार, उसके साथ गिद्धोर के रहने वाले छोटी यादव तथा एक अज्ञात व्यक्ति मेरे दुकान पर हरवे हथियार से लैस होकर आया और गाली गलौज करने लगा। उक्त लोग मुझे, मेरी पत्नी व बच्चे को जान मारने की कोशिश किया जिससे किसी तरह हमलोग दुकान से भाग निकला तो उसके बाद वे सभी लोग मेरे दुकान में तोड़फोड़ करते हुए दुकान में रखे 12 हजार 400 रुपए निकाल लिया। फिर उनलोगों ने मेरे भाई कालेश्वर यादव के साथ मारपीट कर घायल कर दिया।

तीन लोगों ने की मारपीट

बीएनएम। प्रातः आवाज : जमुई / झाझा। थाना क्षेत्र के बेनीबांक के रहने वाले विजय कुमार ने अपने साथ हुई मारपीट को लेकर थाना में गांव के ही तीन लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। दर्ज आवेदन में पीड़ित ने बताया कि गांव के रहने वाले राजेश कुमार मंडल, प्रदुमन कुमार, अनुरोध कुमार मेरे घर पर आकर मेरी पत्नी के साथ विवाद करते हुए मेरी पत्नी के ऊपर हाथ छोड़ने का प्रयास किया। उसके बाद प्रदुमन ने मेरे साथ मारपीट किया।

डीएम ने किया इवीएम गोदाम का निरीक्षण, एफएलसी कार्य की समीक्षा की

बीएनएम। लखीसराय । शुक्रवार को जिला पदाधिकारी मिथलेश मिश्र ने कलेक्ट्रेट स्थित ईवीएम गोदाम का निरीक्षण कर वहां चल रहे FLC (फर्स्ट लेवल चेकिंग) कार्य की समीक्षा की। यह कार्य आगामी चुनावों की तैयारी के अंतर्गत किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान उन्होंने एफएलसी प्रक्रिया की प्रगति, पारदर्शिता एवं सुरक्षा मानकों की समीक्षा की और सभी संबंधित कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।डीएम ने बताया कि एफएलसी कार्य पूरी पारदर्शिता और तकनीकी मानकों के अनुरूप किया जा रहा है। मौके पर निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त इंजीनियरों की टीम, माइक्रो ऑब्जर्वर तथा राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे। उन्होंने निर्देश दिया कि एफएलसी कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।निरीक्षण के दौरान डिप्टी कलेक्टर, सहायक निर्वाची पदाधिकारी समेत तकनीकी और प्रशासनिक पदाधिकारी मौजूद रहे। डीएम ने सुरक्षा व्यवस्था की भी समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को चौबीसों घंटे निगरानी रखने का निर्देश दिया।

बकाया रुपए मांगने पर की मारपीट

बीएनएम।जमुई /झाझा। उधार का दिया हुआ रुपए मांगने पर एक व्यक्ति के साथ रास्ता रोकर मारपीट किए जाने की प्राथमिकी दर्ज हुई है। इस संदर्भ में चांय गांव के रहने वाले बमशंकर कुमार ने बताया कि बाराजोर गांव के रहने वाले नंदकिशोर पंडित 29 मार्च को मुझसे छड़ सीमेंट का बिजनेस करने के लिए 10 लाख रुपए मांगा। जिसपर इतना रुपए नही रहने की बात की तो फिर उसने दो लाख रुपए मांगा तो उसे रुपए दे दिया। वही उससे रुपए मांगा । इसी बात को लेकर बजरंग चौक के पास रास्ता रोककर मारपीट की और 8 लाख रुपए रंगदारी के रूप में मांग की।

ऑन द स्पोर्ट दो मामलों का निपटारा

बीएनएम।बगहा : प्रखंड की चंदरपुर रतवल पंचायत में शुक्रवार को ग्राम कचहरी का आयोजन किया गया। इस दौरान ग्राम कचहरी में चार भूमि विवाद मामलों की सुनवाई की गई। जिसमें दो मामलों की ऑन द स्पोर्ट सरपंच दिवाकर पाठक ने निष्पादन किया।सरपंच दिवाकर पाठक ने बताया कि ग्राम कचहरी में 4 आवेदन प्राप्त हुआ था। जिसमें से 2 मामलो का निपटारा आपसी सहमति से किया गया। शेष मामलों की निष्पादन अगले जनता दरबार के दौरान किया जायेगा।सरपंच ने बताया ग्राम कचहरी में जमीनी विवाद को लेकर फरियादी पहुंचे हुये थे, जिनका सुलह समझौता आपसी सहमति से कराया गया। उन्होंने कहा कि यहां प्रतिदिन अनेकों मामलों का निष्पादन किया जाता हैं।वही ग्राम कचहरी के मौके पर सरपंच दिवाकर पाठक, उप सरपंच भरत साह, न्याय मित्र कुमार अतुल रंजन, पंच कुंदन शुक्ला, पंच पति बृजलाल यादव के साथ दर्जनों की संख्या में फरियादी उपस्थित थे।

शराब तस्करी और पीने के मामले में तीन आरोपी गिरफ्तार

बीएनएम। तुरकौलिया: स्थानीय पुलिस ने शराबबंदी कानून के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन अलग-अलग मामलों में आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इन गिरफ्तारियों में एक लंबे समय से फरार चल रहा कुख्यात शराब तस्कर भी शामिल है। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि वर्ष 2021 से फरार चल रहे राजेश साह, निवासी कवलपुर, को गिरफ्तार कर लिया गया है। राजेश साह पर वर्ष 2019 में भी शराब तस्करी का मामला दर्ज किया गया था और तब से वह पुलिस को चकमा दे रहा था। दूसरे मामले में पुलिस ने गणेश राम, निवासी सेमरा खास, को

उस समय पकड़ा जब वह अपने बाइक पर 24 लीटर देशी चुलाई शराब लादकर कहीं ले जा रहा था। गुप्त सूचना के आधार पर सेमरा बाजार में छापेमारी कर उसे धर दबोचा गया। तीसरे आरोपी दिलीप कुमार, निवासी जयसिंहपुर सोरही, को पुलिस ने उस समय गिरफ्तार किया जब वह शराब के नशे में अपने परिजनों के साथ मारपीट कर रहा था। पुलिस द्वारा ब्रेथ एनालाइजर से जांच किए जाने पर उसके शराब पीने की पुष्टि हुई। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि तीनों आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

संदिग्ध स्थिति में युवक की मौत , हत्या का आरोप

» शव को लेकर लोगों ने की सड़क जाम

» लोगों ने एसपी को बुलाने को लेकर किया हंगामा

» पिता ने आवेदन देकर सात लोगों को नामजद बनाया

बीएनएम। बैरिया

थाना क्षेत्र के बगही रतनपुर पंचायत के बगही निमिया टोला वार्ड नौ में एक युवक की मौत संदिग्ध स्थिति में हो गई थी । जिसमें हत्या का आरोप लगाते हुए लोगों ने शव को संतघाट के पास मुख्य सड़क पर रखकर हंगामा करने लगे। लोगों का कहना था कि जब तक एसपी नहीं आएंगे सड़क जाम रहेगा। महाराज कुमार के शव को बड़ा नाहर मुक्ति घाट ले जाने के क्रम में आक्रोशित लोगों ने एका एक संतघाट के पास मुख्य सड़क पर शव को रखकर सड़क जाम कर हंगामा करने लगे । इन लोगों का आरोप था कि पुलिस हत्या के एफआईआर करने में आनाकानी कर रही है। जबकि महाराज कुमार

रोते बिलखते मृतक के गमगीन परिजन

को साजिश के तहत पीट-पीट कर हत्या की गई है।इस मामले में मृतक महाराज कुमार का पिता अमेरिका चौधरी ने बैरिया थाना में एक आवेदन दिया है। जिसमें अपने पुत्र की हत्या करने को लेकर सात लोगों को नामजद आरोपी बनाया है। लोगों का कहना है कि थानाध्यक्ष हत्या की एफआईआर करने में आनाकानी कर रहे हैं। क्योंकि वे हत्या आरोपियों से मिले हुए हैं । थानाध्यक्ष अंजेश कुमार ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद एफआईआर दर्ज की जाएगी । दिए आवेदन में अमेरिका चौधरी ने बताया है कि मेरा पुत्र महाराज कुमार बाहर मजदूरी का काम करता है। गांव के ही महेश चौधरी का पुत्र परमा चौधरी अमेरिका चौधरी के पुत्र महाराज कुमार का दोस्त है। वह अपनी शादी में उसे अपने घर बुलाया था । पिता अमेरिका चौधरी का आरोप है कि उसके पुत्र महाराज कुमार की हत्या एक साजिश के तहत कर दी गई है। उसने बताया है कि शादी की कथा मटकोर में महाराज कुमार भी शामिल हुआ था। नाच गाना के दौरान महेश चौधरी के दामाद सुभाष चौधरी जो मियांपुर का रहने वाला है। उसे महाराज कुमार को अनबन हो गई। जिसको लेकर मंतोष कुमार, शर्मा कुमार, महेश चौधरी, रवि कुमार, संतोष चौधरी ने महाराजा कुमार को पीटने लगे। जब महाराज कुमार ने इसका विरोध किया तो रामजी चौधरी और सगुल चौधरी आदि बोलने लगे कि बाहर से आकर हंगामा कर रहा है। उसके बाद सभी सातों लोग महेश चौधरी के घर से बगल के बगीचा में ले जाकर महाराज कुमार की जमकर पिटाई कर दी। जिसके कारण महाराज कुमार की मौत हो गई है। महाराज कुमार के पिता अमेरिका चौधरी का कहना है कि उसके पुत्र की मृत्यु के बाद आरोपियों ने उसे गुपचुप तरीके से बेतिया अस्पताल ले गए। मारपीट के बाद बेहोशी की हालत की सूचना महेश चौधरी के किसी परिजन द्वारा नहीं दिया गया। बुधवार की सुबह महाराज कुमार की मौत की सूचना दी गई। महाराज कुमार के परिजन बेतिया से महाराज के शव को घर लाया था।

हत्या मामले में वीआईपी के जिला प्रभारी ने कार्रवाई की मांग की

22 वर्षीय महाराजा कुमार के मौत के मामले में गुरुवार के दोपहर पहुंचे योगापट्टी के जिला परिषद के सदस्य सह विकासशील इंसान पार्टी के जिला प्रभारी लाल बाबू चौधरी ने बयान जारी किया, बयान जारी करते हुए उन्होंने पुलिस प्रशासन से दोषियों पर कार्रवाई करने का मांग किया और उन्होंने कहा कि बीते 27 तारीख के रात्रि में महाराज कुमार को निर्मम तरीके से हत्या कर दी गई थी ।पुलिस के द्वारा ही पोस्टमार्टम कराया गया है। दोषियों को चिन्हित कर पुलिस कार्रवाई करें उन्होंने मांग की है।

अरेराज में 'बिहार बदलाव जनसभा' की तैयारियाँ अंतिम चरण में, सुरक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था चाक-चौबंद

बीएनएम।अरेराज

31 मई को आयोजित होने वाली 'बिहार बदलाव जनसभा' को लेकर अरेराज में जोरशोर से तैयारियाँ चल रही हैं। जनसभा से एक दिन पहले अरेराज के अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीओ) और अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (डीएसपी) ने स्थल का गहन निरीक्षण किया और सुरक्षा एवं स्वास्थ्य प्रबंधन का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान एसडीओ ने सभा स्थल पर एम्बुलेंस और दमकल वाहन की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए स्वास्थ्यकर्मियों की टीम को तैनात किया गया है, जो सभा के दौरान लगातार मौजूद रहेगी। डीएसपी ने बताया कि जनसभा के मद्देनजर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था लागू की जा

रही है, जिससे कार्यक्रम पूरी तरह शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित तरीके से संपन्न हो सके। भीड़ नियंत्रण, ट्रैफिक प्रबंधन और आपात स्थितियों से निपटने के लिए विशेष बलों की भी तैनाती की जा रही है। इस मौके पर पूर्वी चंपारण जिला महासचिव पप्पू मिश्रा उर्फ शैलेंद्र कुमार मिश्रा भी उपस्थित रहे। उन्होंने तैयारियों पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि "प्रशासन की तत्परता से यह जनसभा सफल और ऐतिहासिक होगी।" प्रशासन की ओर से यह स्पष्ट किया गया है कि 'बिहार बदलाव जनसभा' को लेकर हर स्तर पर व्यापक और सुनियोजित प्रयास किए जा रहे हैं, ताकि जनता को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो।

तीन बच्चे सिकरहना नदी में डूबे एक को जिंदा बचाया गया दूसरे का शव बरामद तीसरा लापता

मौके पर पहुंची एनडीआरएफ की टीम, उपकरण के काम नहीं करने से वापस लौटी

बीएनएम। सुगौली

प्रखंड क्षेत्र के उत्तरी छपरा बहास के कैथवलिया गांव के समीप से गुजरने वाली सिकरहना नदी में नहाते समय तीन बच्चे डूब गए। जिनमें से एक को स्थानीय गोताखोरों ने बचाया लिया, जबकि दूसरे का शव बरामद कर लिया गया है तो वहीं खबर लिखे जाने तक तीसरा लापता है। जानकारी के मुताबिक कैथवलिया गांव निवासी अकाल मियां के परिवार के तीन बच्चे जिनमें दो लड़कियां और एक लड़का था, तीनो गांव के समीप से निकलने वाली सिकरहना नदी में नहाने गये थे। जहां गहरे पानी में चले गये और डूबने लगे। नदी किनारे काम कर रहे रुदल सहनी और सुल्तान मियां ने शोर सुनकर नदी में छलांग लगाकर एक बच्ची नजमा खातून को बचा लिया जबकि दूसरी लड़की नजीमा खातून और बच्चा शहजाद आलम पानी में डूब गये। घटना की खबर

फैलते ही ग्रामीण मौके पर पहुंचे और स्थानीय गोताखोरों की सहायता से डूबे दोनों बच्चों की तलाश शुरू हुई। काफी मशक्कत के बाद गोताखोरों ने नजीया खातून का शव बरामद कर लिया, किन्तु बच्चे शहजाद आलम समाचार प्रेषण तक लापता है। घटना की सूचना पर पहुंची स्थानीय थाने की टीम और अंचलाधिकारी कुंदन कुमार तथा पश्चिमी चंपारण सांसद के प्रतिनिधि प्रदीप सर्राफ ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और सीओ कुंदन कुमार ने लापता बच्चे की खोज के लिए जिले से एनडीआरएफ की टीम को बुलाया लेकिन सूचना के मुताबिक एनडीआरएफ की टीम के उपकरण के काम नहीं करने के कारण वापस जाना पड़ा। बरामद शव को अन्त्यपरीक्षण हेतु मोतीहारी भेज दिया गया। वहीं लापता बच्चे की खोजबीन जारी है। सांसद प्रतिनिधि प्रदीप सर्राफ ने पीड़ित परिजनों से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी और आगे के समुचित सरकारी प्रक्रियाओं में समयबद्ध सहायता का आश्वासन दिया।

झाझा प्रखंड सम्मेलन में 11 सदस्यीय समिति का गठन

» सर्वसम्मति से कंचन रजक चुने गये प्रखण्ड सचिव

बीएनएम : जमुई/झाझा

भाकपा माले झाझा प्रखण्ड का दूसरा प्रखण्ड सम्मेलन झाझा बाजार स्थित वर्णवाल धर्मशाला में आयोजित किया गया । सम्मेलन की शुरुआत शहीद वेदी पर पुष्प अर्पित कर की गई और पिछले माह कश्मीर के पहलगाम हुए आतंकी धटना में मारे गये पर्यटकों को एक मिनट के मौन रख कर श्रद्धांजलि दी गई । सम्मेलन में तीन सदस्यीय अध्यक्ष मंडल के नेतृत्व में सम्मेलन की कार्यवाही पूरा किया । सम्मेलन के पर्यवेक्षक कॉमरेड मनोज कुमार पाण्डेय , मुख्य अतिथि जिला सचिव शम्भू शरण सिंह और अतिथि के तौर पर भाकपा माले के युवा नेता बाबू साहब सिंह मौजूद थें । सम्मेलन का उद्घाटन सम्बोधन में राज्य स्थायी कमिटि के सदस्य कॉमरेड आर एन ठाकुर ने कहा कि भाकपा माले पार्टी का झाझा प्रखण्ड का दूसरा सम्मेलन इस दौर में किया जा रहा

बरनवाल धर्मशाला में आयोजित सम्मेलन में भाग लेते लोग

जब देश आज कठिन परिस्थिति से गुजर रहा है। केंद्र और राज्य में बैठी सरकार संविधान लोकतंत्र और न्याय पर लगातार हमले कर रही है। केंद्र की भाजपा सरकार देश में हिंदूवादी संस्कृति को स्थापित करने के लिए लगातार सांप्रदायिक उन्माद फैलाने की कोशिश कर रही है। देश के अल्पसंख्यकों पर हमले जारी हैं। माले के अन्य नेताओं ने कहा की बिहार सरकार केंद्र के नक्शे कदम पर चल रही है। वक्ताओं ने कहा कि पिछले 20 वर्षों के शासन में भाजपा-नीतीश की सरकार ने बिहार को बर्वादी की कगार पर लाकर खडा कर दिया है ।प्रदेश के 94 लाख परिवार आज अतिनिर्धन श्रेणी में हैं, आज बिहार मजदूरों का पलायन का केंद्र बन गया है । बीड़ी मजदूर जीविका दीदियों, आशा आंगनवाड़ी विद्यालय रसोईया आज भी अपनी न्यूनतम मजदूरी और मानदेय के सवाल को लेकर संघर्ष कर रही है । सम्मेलन में पर्यवेक्षक द्वारा 9 सदस्यीय कमिटि पेश किया गया जिसे सम्मेलन ने ध्वनि मत से पारित करते हुए सर्व सम्मति से सम्मेलन कंचन रजक को पुनः प्रखंड सचिव चुना गया । वही रमेश यादव, गुलटेंन पुजहर, जगदीश राणा, संजय वर्णवाल, शेरू पुजहर, पलटू ठाकुर, सरिता देवी, मोती देवी, सहदेव यादव प्रखंड कमिटि के सदस्य चुना गया । सम्मेलन में 128 प्रतिनिधि साथी शामिल हुए पच्चीस प्रतिनिधि साथी ने बहस में भाग लिया ।

शिक्षकों को सम्मानित करेगा टीबीटी

बीएनएम : केसरिया

द बिहार टीचर्स हिस्ट्री मेकर्स (टीबीटी) मेरा मोबाइल मेरी शिक्षा फेसबुक मंच के द्वारा रविवार को प्रमंडल स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया है। मोतिहारी में आयोजित इस समारोह में तिरहुत प्रमंडल के पूर्वी चंपारण, पश्चिम चंपारण, शिवहर, सीतामढ़ी और मुजफ्फरपुर के सरकारी स्कूलों में पढाने वाले कुल 113 नवाचारी शिक्षकों को टीबीटी मंच द्वारा सम्मानित किया जायेगा। जिसमें पूर्वी चंपारण के विभिन्न प्रखंडों के सरकारी स्कूलों में पढाने वाले उन्नासी शिक्षकों का नाम प्रस्तावित है। केसरिया प्रखण्ड के पीएम श्री मध्य विद्यालय केसरिया कन्या के शिक्षक ओम प्रकाश सिंह, यूएमएस रामपुर खजुरिया के शिक्षक रंजीत कुमार, मध्य

विद्यालय फुलतकिया के अलका शुक्ला एवं प्राथमिक विद्यालय बनकट निजामत के शिक्षक ज्याउल हक भी शामिल हैं। अपने उत्कृष्ट नवाचारों के लिए हमेशा चर्चा में रहने वाले शिक्षक ओम प्रकाश सिंह ने बताया कि उक्त कार्यक्रम में सम्मानित होने के लिए आमंत्रित किया गया है। यह सम्मान सभी सहयोगी अभिभावकों एवं बच्चों को समर्पित है।

पति-पत्नी समेत चार गिरफ्तार

बीएनएम : बैरिया

श्रीनगर थाने की पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर थाना क्षेत्र के दो अलग-अलग जगह से अलग-अलग मामलों में चार लोगों को गिरफ्तार किया। जानकारी देते हुए श्रीनगर थानाध्यक्ष संजीव कुमार ने बताया कि शुक्रवार के तड़के सुबह करीब 4:00 बजे कांड संख्या 78/25 के आरोपी उर्मिला देवी पति केदार राम एवं केदार राम पति शंकर राम को पुलिस ने गिरफ्तार किया। उक्त मामले में थाना क्षेत्र के कोहडा बैंगही निवासी लालसा देवी ने 7 जनवरी 2025 को दिए फर्द ब्यान के आधार पर प्राथमिक श्रीनगर थाना में दर्ज कराया था जिसमें मारपीट व धक्का मुक्की का आरोप लगाया है। उक्त मामले में नौ लोगों को नामजद अभियुक्त बनाया गया है। वहीं कांड संख्या 179/24 के मैनेजर यादव पिता स्वर्गीय खेदु यादव एवं सुगाती देवी पति मैनेजर यादव को गिरफ्तार किया उक्त मामले में थाना क्षेत्र के कोहडा बेगही वार्ड नंबर 12 निवासी रीना देवी के द्वारा 14-11- 2024 को दिए फर्द ब्यान के आधार पर आठ लोगों पर प्राथमिकी दर्ज किया गया है। आरोपियों पर मारपीट के मामले में केस दर्ज किया था जिसके आलोक में पुलिस त्वरित कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार आरोपियों को न्यायिक हिरासत में शुक्रवार के दिन भेज दिया।

प्रो मनोरंजन कुमार बने लायंस क्लब के नये अध्यक्ष

लायंस क्लब की मासिक बैठक में शामिल लोग

प्रातः आवाज

लखीसराय। शहर के एक स्थानीय होटल में लायंस क्लब की मासिक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अध्यक्ष संजीव स्नेही ने किया बैठक में , कोषाध्यक्ष विजय बंका, सचिव संजीव कुमार, डॉक्टर प्रवीण कुमार सिन्हा ,डॉक्टर विनीता राजेंद्र सिंघानिया, डॉ अमित कुमार ,डॉ रूपा सिंह ,डॉ चिरंजीवी रौशन, डॉ चांदनी मुखर्जी, डॉ अमिता, प्रोफेसर मनोरंजन कुमार, अरविंद कुमार भारती, संजय सिंघानिया, प्रेमचंद कुमार ,संजय शर्मा, अमित शर्मा, अमित कुमार, गौतम गिरियगे, डॉक्टर कंचन, डॉक्टर आलोक कुमार, डॉक्टर ब्रजेंदु, प्रभात रंजन कुमार, रंजन स्नेही,आदि की उपस्थिति में अगले सत्र 25- 26 के लिए प्रोफेसर मनोरंजन कुमार को सर्वसम्मति से लायंस क्लब के अध्यक्ष निर्वाचित किया गया है ।सभी लायंस क्लब के सदस्यों ने प्रोफेसर मनोरंजन कुमार को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी ।उनके लिए संडे क्लिनिक को और बेहतर तरीके से चलाना, नवमी की छात्राओं के लिए किताब, कॉपी ड्रेस, जूता आदि की व्यवस्था करना, आंखों का मुफ्त ऑपरेशन कराना, शुद्ध पेय जल की व्यवस्था कराना आदि उनके लिए एक जिम्मेदारी होगी।

आंगनबाड़ी सेविकाओं को दी गई ट्रेनिंग

बीएनएम : लखीसराय । जिले के सूर्यगढ़ा प्रखंड स्थित आइसीडएस कार्यालय में शुक्रवार को पोषण भी पढ़ाई भी को आँगनबाड़ी सेविकाओं का तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हो गया। इस संबंध में सीडीपीओ रीना कुमारी ने बताया कि सेविकाओं का चौथे और अंतिम बैच का प्रशिक्षण का समापन हो गया। उन्होंने बताया कि महिला एवं बाल विकास निगम के द्वारा पोषण एवं स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के उद्देश्य को लेकर पोषण भी पढ़ाई भी कार्यक्रम तीन दिवसीय प्रशिक्षण चार बैचो का समापन हो गया। प्रशिक्षण में सेविकाओं को बच्चों के पोषण और शिक्षा के बारे में जानकारी दी गई।

प्रशिक्षण का उद्देश्य - इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य आंगनबाड़ी सेविकाओं को बच्चों के शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक विकास के लिए आवश्यक जानकारी प्रदान करना था, ताकि वे बच्चों के पोषण और शिक्षा दोनों पर ध्यान केंद्रित कर सकें.

प्रशिक्षण में सेविकाओं को दिया गया टिप्स- प्रशिक्षण में सेविकाओं को बच्चों के पोषण, शिक्षा और विकास के लिए आवश्यक टिप्स दिए गए। इसके अलावा, उन्हें ऑनलाइन पोर्टल पर केंद्र संचालन से संबंधित जानकारी भी दी गई।

तीन साल वकालत अनिवार्य

सुप्रीम कोर्ट ने भावी न्यायाधीशों के लिए अदालती अनुभव होने की बात एक फिर से दोहराई है। पीठ ने प्रधान न्यायाधीश के फैसले को सुनाते हुए कहा कि विधि स्नातकों की नियुक्ति से कठिनाइयां आई हैं, जैसा कि कई उच्च न्यायालयों ने कहा है। अदालत ने स्पष्ट किया, बैचलर ऑफ लॉ करते ही न्यायिक सेवा परीक्षा यानी ज्यूडिशियल सर्विस एग्जाम में शामिल नहीं हो सकते। प्रवेश स्तर पर आवेदन करने वाले उम्मीदवारों के लिए कम-से-कम तीन साल वकालत करना अनिवार्य होगा। यह फैसला अखिल भारतीय जस्टिस संघ द्वारा दायर याचिका पर आया। बता रहे हैं कि न्यायाधीशों के लिए लॉ क्लर्क के तौर पर किए गए अनुभव को भी जोड़ा जा सकता है। हालांकि जज के तौर पर चुनाव होने के बाद अदालत में सुनवाई के पूर्व उन्हें साल भर का प्रशिक्षण भी लेना अनिवार्य है। यह नियम वहां नहीं लागू होगा जहां हाई कोटरे द्वारा पहले ही सिविल जज जूनियर डिवीजन की नियुक्ति की प्रक्रिया चालू की जा चुकी है। तकरीबन बीस साल पहले यानी 2002 में सबसे बड़ी अदालत ने ही एलएलबी ग्रेजुएट को सीधे न्यायिक अधिकारी परीक्षा देने की व्यवस्था दी थी। जाहिर है, सकारात्मक परिणामों के अभाव में अदालत को यह फैसला पलटना पड़ा क्योंकि बगैर अनुभव या अभ्यास के जमीनी हकीकत को समझना नामुमकिन है। न्यायिक प्रक्रिया की गरिमा व गंभीरता के मद्देनजर यह निर्णय उचित है। व्यावहारिक व प्रशासनिक दिक्कतों से समय रहते सबक लिया जाना ही समझदारी है। न्याय की कुर्सी पर बैठने वाले से उम्मीद की जाती है कि उसके निर्णय निष्पक्ष व निर्विवाद हों। प्रशिक्षण व अनुभवों से मिलने वाली सीख ताउम्र काम आती है। पिछले दिनों विभिन्न अदालतों से आए फैसलों पर उपजे विवाद के बाद शीर्ष अदालत को स्वयं संज्ञान लेना पड़ा। चूंकि शीर्ष अदालत पर पहले ही काम का बेहद दबाव है।

महिला सशक्तिकरण का नया अध्याय लिख रहा है मध्य प्रदेश

के.के.जोशी

मध्य प्रदेश देश के हृदय स्थल में बसा एक ऐसा राज्य है जिसने महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में आज पूरे देश में नई मिसाल कायम कर रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कुशल नेतृत्व में मध्य प्रदेश सरकार ने स्व-सहायता समूहों को महिला सशक्तिकरण का एक सशक्त माध्यम बनाया है। स्व-सहायता समूह न केवल ग्रामीण और शहरी महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बना रहे हैं, बल्कि सामाजिक स्तर पर भी उनकी स्थिति को सुदृढ़ कर रहे हैं। पिछले कुछ समय में मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में महिला सशक्तिकरण की दिशा में मध्यप्रदेश ने कई उपलब्धियों को हासिल किया है। सरकार की अनेक नीतियां और योजनाएं महिलाओं के उत्थान में सहायक सिद्ध हो रही हैं। मध्य प्रदेश में स्व-सहायता समूहों को ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ माना जा रहा है। वर्तमान में, राज्य में 5 लाख से अधिक स्व-सहायता समूह सक्रिय हैं, जिनमें लगभग 62 लाख महिलाएं जुड़ी हैं। ये समूह महिलाओं को आर्थिक स्वतंत्रता, कौशल विकास, और सामुदायिक नेतृत्व के अवसर प्रदान कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का मानना है कि स्व-सहायता समूह न केवल आर्थिक सशक्तिकरण का साधन हैं, बल्कि सामाजिक बदलाव का भी एक जन-आंदोलन है। मध्यप्रदेश सरकार ने स्व-सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं के लिए कई महत्वाकांक्षी योजनाएं शुरू की हैं जिनका प्रभाव राज्य के हर कोने में महसूस किया जा सकता है। मुख्यमंत्री उद्यम शक्ति योजना ने हजारों महिला समूहों को कम ब्याज पर ऋण दिलाकर उनके छोटे-छोटे व्यवसायों को सहारा दिया है। अब महिलाएं न सिर्फ घर चला रही हैं, बल्कि दूसरों को भी रोजगार दे रही हैं। अब तक 30 हजार 264 महिला समूहों और 12 हजार 685 महिला उद्यमियों को 2 प्रतिशत ब्याज अनुदान के रूप में 648.67 लाख की राशि वितरित की जा चुकी है। लाड़ली बहना योजना के तहत हर महीने 1.27 करोड़ बहनों के खाते में 1551.86 करोड़ रूपये की आर्थिक सहायता उनके खातों में पहुंच रही है। इससे न केवल आर्थिक रूप से महिलाओं की स्थिति बेहतर हो रही है बल्कि महिलाएं डिजिटल युग की सहभागी भी बन रही हैं। इस योजना में 1.27 करोड़ महिलाओं को अब तक 35,329 करोड़ रुपये से अधिक की राशि प्रदान की गई है। इसके अतिरिक्त, 25 लाख महिलाओं को 450 रुपये में गैस सिलेंडर रीफिलिंग के लिए 882 करोड़ रुपये से अधिक की सहायता दी गई है। यह योजना महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के साथ-साथ उनके परिवारों में बचत को प्रोत्साहित कर रही है। मुख्यमंत्री लाड़ली लक्ष्मी योजना में वर्ष 2024-25 में 2 लाख 73 हजार 605 बालिकाओं का पंजीकरण हुआ और लगभग 223 करोड़ रूपये से अधिक की छात्रवृत्ति यूनि-पे के जरिए वितरित की गई। अब तक कुल 50 लाख 41 हजार 810 बेटियां इस योजना का हिस्सा हैं। वहीं, राज्य सरकार द्वारा नारी शक्ति मिशन के तहत जिला, परियोजना और ग्राम स्तर पर 100 दिवसीय

जागरूकता "हम होंगे कामयाब अभियान" चलाया गया। इसमें प्रदेश में जेंडर संवादों, घरेलू हिंसा, बाल विवाह, सायबर सुरक्षा, कार्यस्थल पर उत्पीड़न और डिजिटल साक्षरता कार्यक्रमों की महिलाओं को न केवल जानकारी दी गई, बल्कि उन्हें अपने अधिकारों के लिए खड़ा होना भी सिखाया गया। मध्यप्रदेश सरकार ने स्व-सहायता समूहों के माध्यम से 1 लाख से अधिक महिलाओं को 'लखपति दीदी' बनाया है। सरकार का लक्ष्य 5 लाख स्व-सहायता समूहों के माध्यम से 62 लाख महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना है। यह पहल ग्रामीण महिलाओं को उद्यमिता और आर्थिक स्वावलंबन की दिशा में प्रेरित कर रही है। इसके अलावा मध्यप्रदेश में 850 से अधिक एमएसएमई इकाइयों को 275 करोड़ रुपये की सहायता प्रदान की गई है, जिससे महिला उद्यमियों को प्रोत्साहन मिला है। इसके अलावा, रेडीमेड गारमेंट उद्योग में कार्यरत महिलाओं को प्रति माह 5,000 रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जा रही है, जिससे उनकी मासिक आय में बढ़ोत्तरी हो रही है। यहां बात यदि नारी सुरक्षा की हो तो राज्य सरकार ने नारी सुरक्षा को अपनी प्राथमिकता में रखा है। पुलिस बल में महिलाओं की संख्या बढ़ाई गई है और महिलाओं के खिलाफ अपराधों के मामले में सख्त सजा का प्रावधान किया गया है। 'महिला हेल्पलाइन' और 'महिला पुलिस स्टेशन' जैसी सेवाओं को भी मजबूत किया गया है। महिला हेल्पलाइन 181 और चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 को अब 112 आपात सेवा से जोड़ा गया है। वर्ष 2024-25 में लगभग 82 हजार 552 महिलाओं को त्वरित सहायता मिली है। योजना के प्रारंभ से अब तक एक लाख 57 हजार महिलाओं को लाभ मिल चुका है। कहना होगा कि एक मिशन प्रदेश में लोकमाता अहिल्या बाई होल्कर की 300वीं जयंती के अवसर पर शुरू किया गया। यह मिशन महिलाओं को आर्थिक और सामाजिक रूप से सशक्त बनाने के लिए समर्पित है। इस मिशन के तहत स्व-सहायता समूहों को स्टार्ट-अप अभियान से जोड़ा गया, जिसमें 8 करोड़ 10 लाख रुपये के निवेश पत्र वितरित किए गए। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राज्य में महिलाओं के लिए न केवल सशक्तिकरण के अवसर पैदा किए गए हैं, बल्कि अब महिलाएं पारंपरिक घरेलू कार्यों से बाहर निकलकर विभिन्न क्षेत्रों में सक्रिय रूप से भाग ले रही हैं। आज सैनिटेशन और हाइजीन योजना के तहत प्रदेश की 19 लाख से अधिक बालिकाओं को 57 करोड़ 18 लाख रुपये की सहायता प्रदान की गई है जिससे किशोरियों के स्वास्थ्य और स्वच्छता को बढ़ावा मिला है। यूनिसेफ ने भी मध्यप्रदेश के इन प्रयासों की सराहना की है। स्व-सहायता समूहों के माध्यम से मध्यप्रदेश में महिलाओं की आर्थिक और सामाजिक स्थिति में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। इन समूहों ने न केवल महिलाओं को आर्थिक स्वतंत्रता प्रदान की है, बल्कि सामाजिक स्तर पर भी उनके आत्मविश्वास को बढ़ाया है। उदाहरण के लिए, स्व-सहायता समूहों से जुड़ी महिलाएं अब स्थानीय स्तर पर उत्पादक संगठनों के माध्यम से रोजगार और स्वरोजगार के अवसर सृजित कर रही हैं। महिलाओं के लिए 35% सरकारी नौकरियों में आरक्षण और निकाय चुनावों में 50% आरक्षण जैसे कदमों ने उनकी भागीदारी को और बढ़ाया है। इसके अतिरिक्त, जेंडर बजट में 19,021 करोड़ रुपये की वृद्धि और महिला सशक्तिकरण के लिए 1 लाख 21 हजार करोड़ रुपये का प्रावधान इस दिशा में सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लोकमाता अहिल्या बाई होल्कर के जीवन और कार्यों से प्रेरणा लेते हुए महिला सशक्तिकरण को नया आयाम दिया है। अहिल्या बाई ने महेश्वर से शासन चलाते हुए महिलाओं को साड़ी बुनाई जैसे कौशलों से जोड़ा, जिससे महेश्वरी साड़ियां विश्व प्रसिद्ध हुईं। इसी तरह, डॉ. यादव ने स्व-सहायता समूहों को उद्यमिता और कौशल विकास से जोड़कर महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का संकल्प लिया है। यह प्रयास मध्यप्रदेश को नारी सशक्तिकरण के क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है जिससे कृषि, उद्योग, शिक्षा, चिकित्सा और राजनीति जैसे क्षेत्रों में महिलाओं की सहभागिता बढ़ रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का कहना है कि नारी शक्ति मिशन के तहत हर जिले की महिलाओं को सशक्तिकरण की मुख्यधारा से जोड़ा जाएगा। उनका मानना है कि यदि नारी सशक्त होगी, तो समाज और प्रदेश स्वतः सशक्त होगा। सरकार का लक्ष्य 2047 तक मध्यप्रदेश को विकसित भारत के साथ एक समृद्ध और आत्मनिर्भर राज्य बनाना है, जिसमें महिलाओं की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। उनका मानना है कि समाज में महिलाओं को समान अवसर देना न केवल उनके विकास के लिए आवश्यक है, बल्कि समाज के समग्र विकास के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है।उनका कहना है कि नारी शक्ति मिशन हमारे इस दृष्टिकोण का विस्तार है जिसमें हर जिले से महिलाओं को जोड़ा जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश स्व-सहायता समूहों के माध्यम से महिला सशक्तिकरण का एक नया अध्याय लिखा जा रहा है। एक तरफ आज जहाँ ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाएं स्व-सहायता समूहों के माध्यम से आर्थिक रूप से सशक्त हो रही हैं वहीँ लाड़ली बहना योजना, लखपति दीदी योजना और नारी शक्ति मिशन जैसी अनेकों महिला केन्द्रित योजनाओं के माध्यम से मध्य प्रदेश की महिलाएं आर्थिक और सामाजिक रूप से सशक्त हो रही हैं।

सूडोकु नवताल- 7446

******* कठिनतम**

2						5		
	1			8				9
7					4			
			9			1		
	3						6	
		8			5			
			3					8
5				6			2	
		4						7

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7445 का हल

2	3	6	8	5	1	4	9	7
9	4	5	7	6	3	8	2	1
1	7	8	2	9	4	6	5	3
3	1	9	6	7	2	5	4	8
5	6	2	1	4	8	3	7	9
7	8	4	5	3	9	1	6	2
4	9	1	3	2	5	7	8	6
8	2	7	4	1	6	9	3	5
6	5	3	9	8	7	2	1	4

(विश्व धूम्रपान निषेध दिवस/ 31 मई/ विशेष) धीमा जहर है यह, छोड़ दीजिए

श्वेता गोयल

बचपन से पढ़ते-सुनते आए हैं कि धूम्रपान और तंबाकू उत्पाद स्वास्थ्य के लिए हानिकारक और शरीर में कैंसर व कई अन्य बीमारियों को जन्म देते हैं। बावजूद इसके लोग इस धीमे जहर का प्रयोग छोड़ नहीं पाते। हालात इस कदर खराब हैं कि किशोरवय पीढ़ी धूम्रपान और विभिन्न तंबाकू उत्पादों की चपेट में है। यह स्थिति काफी चिंताजनक होती है। दरअसल ऐसे किशोरों के मन मस्तिष्क में कुछ गलत धारणाएं घर कर गई हैं कि धूम्रपान करने से चुस्ती-फुर्ती आती है। मानसिक तनाव कम होता है। व्यक्तित्व आकर्षक बनता है। कब्ज की शिकायत दूर होती है आदि-आदि। तमाम वैज्ञानिक शोधों के बावजूद ऐसे लोग समझना ही नहीं चाहते कि यह भ्रांति है। ऐसा कुछ नहीं होता। वास्तविकता यह है कि धूम्रपान ऐसा धीमा जहर है, जो सेवन करने वाले व्यक्ति को मौत के मुंह में धकेल देता है। धूम्रपान शरीर में धीरे-धीरे प्राणघातक बीमारियों को जन्म देता है। तम्बाकू सेवन के व्यापक प्रसार और नकारात्मक स्वास्थ्य प्रभावों की ओर ध्यान आकर्षित करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 31 मई को विश्व तम्बाकू निषेध दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष यह दिवस 'अपील का पर्दाफाश: तंबाकू और निकोटीन उत्पादों पर उद्योग की रणनीति को उजागर करना' के ध्येय वाक्य के साथ मनाया जा रहा है। जहां विकासशील देशों में धूम्रपान का प्रचलन बढ़ रहा है, वहीं अमेरिका सरीखे कुछ विकसित देशों में धूम्रपान के प्रचलन में तेजी से गिरावट आई है। 1965 में अमेरिका की 42 फीसदी आबादी धूम्रपान की आदी थी जबकि 1991 में यह संख्या घटकर 26 फीसदी रह गई और पिछले डेढ़ दशक में तो वहां धूम्रपान करने वालों की संख्या में और भी तेजी से गिरावट आई है। गहराई में जाने पर पता चलता है कि अमेरिका में सिगरेट की खपत में लगातार कमी आने की वजह से वहां की सिगरेट कम्पनियों ने अपने घाटे की पूर्ति के लिए अपने उत्पादों को भारत तथा अन्य विकासशील देशों में खपाने की योजना बनाई और उन्हें इस कार्य में सफलता भी मिली। भारत में प्रतिदिन धूम्रपान से मरने वालों की संख्या सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों के मुकाबले 20 गुना अधिक है। एड्स से देश में जितनी मौतें 10 वर्ष में होती हैं, उतनी मौतें धूम्रपान की वजह से मात्र एक सप्ताह में ही हो जाती हैं। करीब दस प्रतिशत व्यक्ति तो ऐसे होते हैं, जो खुद धूम्रपान नहीं करते लेकिन पैसिव स्मोकिंग के शिकार बनते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन का अनुमान है कि यदि दुनियाभर में धूम्रपान की लत इसी रफ्तार से बढ़ती रही तो आगामी एक-दो वर्षों तक ही धूम्रपान की वजह से 50 करोड़ से भी ज्यादा लोग मारे जा चुके होंगे और अगले 30 वर्षों में केवल गरीब देशों में ही धूम्रपान से मरने वालों की संख्या प्रतिवर्ष 10 लाख से बढ़कर 70 लाख तक पहुंच जाएगी। संगठन का अनुमान है प्रतिवर्ष विश्वभर में 8000 से अधिक नवजात शिशु धूम्रपान के कारण असमय काल के ग्रास बन जाते हैं। आंकड़ों से पता चलता है कि सभी प्रकार के कैंसर में से करीब 40 फीसदी का कारण धूम्रपान ही होता है। धूम्रपान करने वालों को धूम्रपान न करने वालों की अपेक्षा फेफड़ों का कैंसर होने की संभावना 15 गुना अधिक होती है। एक आकलन है कि सिगरेट के धुएं में करीब 4000 घातक रासायनिक तत्व विद्यमान होते हैं, जिनमें पोलिनियम 210, कार्बन मोनोक्साइड, कार्बन डाइआक्साइड, निकल, पाईरीडिन, बेंजीपाइरीन, नाइट्रोजन आइसोप्रेनावाइड, अम्ल, क्षार, निकोटीन, टार, जिंक, हाइड्रोजन साइनाइड, कैडमियम, ग्लायकोलिक एसिड, सक्सीनिक एसिड, एसीटिक एसिड, फार्मिक एसिड, मिथाइल क्लोराइड इत्यादि प्रमुख हैं, जो मानव शरीर पर तरह-तरह से दुष्प्रभाव डालते हैं। धूम्रपान से हृदय रोग, लकवा, हर प्रकार का कैंसर, मोतियाबिंद, नपुंसकता, बांझपन, पेट का अल्सर, एसीडिटी, दमा, ब्रोंकाइटिस, मिरगी, मेनिया, स्कीजोफ्रेनिया जैसे घातक रोगों का खतरा भी कई गुना बढ़ जाता है। धूम्रपान से मोतियाबिंद का खतरा बन जाता है और आंख की रेटीना प्रभावित होने लगती है, जिससे नेत्र ज्योति कम होती जाती है। गर्भवती महिलाओं के धूम्रपान किए जाने से कम लम्बाई और कम वजन के बच्चों का जन्म, बच्चों में अपंगता तथा बाल्यावस्था में ही घातक हृदय रोग जैसी बीमारियों का खतरा काफी बढ़ जाता है। एक अध्ययन के अनुसार प्रतिदिन 20 सिगरेट तक पीने वाली गर्भवती महिला के बच्चे की मृत्यु होने की संभावना सामान्य से 20 प्रतिशत बढ़ जाती है जबकि 20 से अधिक सिगरेट पीने पर यह खतरा 35 प्रतिशत तक हो जाता है। अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन के अनुसार किसी दूसरे के धूम्रपान के धुएं के प्रभाव से दिल के दौरे से होने वाली मौतों की आशंका 30 प्रतिशत बढ़ जाती है। विभिन्न सर्वेक्षणों में माना गया है कि विकसित देशों में 41 फीसदी पुरुष और 21 फीसदी महिलाएं धूम्रपान करती हैं जबकि विकासशील देशों में सिर्फ 8 फीसदी स्त्रियों को इसकी लत लगी है तथा पुरुषों की संख्या 50 फीसदी से भी अधिक है।

मेष राशि : आज आपका दिन बेहतर रहेगा। आपकी गुम हुई पुरानी वस्तु आज वापस मिल जाएगी। साथ ही आपको इनवेस्ट में लाभ होगा। इस राशि वाले लोगों को अपने जीवनसाथी से आज गिफ्ट मिल सकता है। जिससे आप दोनों के रिश्ते में मधुरता बढ़ेगी। आज दूसरों की बात भी अच्छे से समझने की कोशिश करें। इससे आपको लाभ मिलेगा। आप किसी अपने की मदद भी कर सकते हैं।

वृष राशि : आज आपका दिन खुशहाल रहेगा। आज बड़े मामलों पर समझौता करने और सहयोग करने के लिए आप तैयार रहें। रुके हुए काम आज पूरे हो जाएंगे। इस राशि के लोग आज जीवनसाथी को लेकर कहीं धार्मिक स्थल पर जा सकते हैं। नव विवाहित लोगों के लिए आज का दिन बहुत ही अच्छा है। आज कई महत्वपूर्ण कामों में बदलाव होंगे। इस स्थिति में किस्मत आपका साथ देगी।

मिथुन राशि : आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज प्रोजेक्ट में आपको अपने जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा, जो आगे सफलता के लिए मददगार साबित भी होगा। ऑफिस के कामों में दूसरों की राय लेने से बचें, बेहतर यही होगा की किसी अपने की काम में मदद लें तो काम आसानी से सफल होंगे। आपकी मेहनत आज आपके जीवन में सफलता के रंग भर देंगे। आज पारिवारिक रिश्ते में मधुरता बढ़ेगी।

कर्क राशि : आज के दिन आपको धन लाभ होगा। आज किसी अजनबी से बहस न करें। पैसों के लेन-देन के मामले में किसी भी तरह का निर्णय लेने से पहले बड़ों की सलाह लें। अपने ध्यान को केन्द्रित कर काम को पूरा करने की कोशिश करें। आज जो भी चीज आपके लिए रुकावट बनती है, उसे नजरदांज करें।

सिंह राशि: आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। आपका रुझान रचनात्मक कार्यों की तरफ ज्यादा रहेगा। नया वाहन खरीदनें के लिए आज का दिन शुभ है। साथ ही घर की साज-सजावट के लिए घरेलू उपकरणों से जुड़ी ख़रीददारी करने के लिए भी आज का दिन शुभ है। लवमेट के लिए आज का दिन शानदार है साथ में कही घूमने का प्लान बना सकते है।

कन्या राशि : आपके लिए आज का दिन लकी है। आज के दिन की शुरुआत खुशहाल रहने वाली है। जो लोग मिट्टी के व्यवसाय से जुड़े है उनके लिए आज का दिन फायदेमंद रहेगा। आज मेहनत और व्यवहार के कारण आपको धनलाभ होगा। शत्रु पक्ष आज आपके प्रभाव से पस्त रहेंगे। इस राशि के लोगों को आज पारिवारिक सुख और शांति का लाभ होगा। साथ ही आपके रिश्ते में मधुरता आएगी। आपका ज्यादा समय आज माता पिता के साथ बीतेगा।

तुला राशि : आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। आज आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत बनी रही रहेगी। आज अपने कामों में कामयाबी का परचम लहरायेंगे। आज खुद को मेंटली और फिजिकली फिट महसूस करेंगे। अगर आप नया वाहन खरीदने की सोच रहें है तो खरीद लें। व्यापार में आपको लाभ मिलने के आसार नजर आ रहें हैं।

वृश्चिक राशि : आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आज किसी कार्य को पूरा करने का प्रयास सफल रहेगा। आज परिजनों से शुभ समाचार मिलेंगे, आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। आज किसी व्यक्ति विशेष से आपको मदद मिल सकती है। रात को बाहर दोस्त के साथ डिनर करने जाएंगे। आज ऑफिस में सरलता से कार्य को पूरा करने की कोशिश करें, मेहनत के मुताबिक सफलता आपको हासिल होगी।

धनु राशि : आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। व्यापारी वर्ग के लोगों को धनलाभ होगा। अगर किसी नए व्यापार की शुरूआत करना चाह रहें है तो आज शुरूआत कर सकते है। इस राशि के लोगों को अपने जीवनसाथी से आज बहुत सारा प्यार मिलेगा।

मकर राशि : आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज मनोबल का स्तर अच्छा रहने के कारण आपके कार्य अच्छी गति से आगे बढ़ेंगे। आज बिज़नेस में परिवर्तन के आसार दिख रहें हैं। ऑफिस में आपकी क्रिएटिविटी पहले से अच्छी बनेगी। इस राशि के लवमेट के लिए बढ़िया दिन है। आज भाग्य पूरी तरह से आपका साथ देगा।

कुंभ राशि : आज का दिन आपके लिए बहुत बढ़िया रहेगा। आपको अपने कार्यक्षेत्र में बड़ी सफलता हासिल होने वाली है। साथ ही किसी विदेशी कम्पनी से जॉब का ऑफर आ सकता है। जिसे ज्वाइन करना आपके लिए फायदेमंद रहेगा। आज वाहन की पार्किंग सेफ जगह पर ही करें। वरना फाइन भरना पड़ सकता है। आज विरोधी आपको नुकसान पहुंचाने का प्रयास कर सकते हैं, इसलिए जितना हो सके आप उनसे दूरियां बनाकर रहें।

मीन राशि : आज आपका दिन आपके जीवन में नयी खुशियां लेकर आएगा। आपका रूझान आध्यात्म के प्रति अधिक रहेगा। माता-पिता के साथ कहीं मंदिर दर्शन के लिए जायेंगे।

मोदी सरकार के आय-व्यय को कैसे झुठलाएगी कांग्रेस ? एमएसपी पर पकड़ा गया झूठ

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

कांग्रेस ने धान और दालों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में वृद्धि करने की मोदी सरकार की घोषणा के बाद आरोप लगाया कि किसानों के साथ धोखा किया गया। मोदी सरकार एमएसपी पर 'सी2+50 प्रतिशत' देने की बात कर रही है। एमएसपी स्वामीनाथन आयोग द्वारा अनुशंसित लागत (सी2) प्लस 50 प्रतिशत (लागत और 50 प्रतिशत मुनाफा) फार्मूले से काफी कम है। '' मोदी सरकार ने किसान और खेती पर घात लगाकर हमला किया है। जुमले का व्यापार है, वादों की घोषणा है, योजनाओं का अंबार है और किसानों में हाहाकार है। उचित समर्थन मूल्य पर खरीद नहीं हो रही है। एमएसपी का मतलब अब 'मैक्सिमम सफरिंग फॉर प्रोड्यूसर्स' (उत्पादकों के लिए अधिकतम पीड़ा) है। मोदी सरकार द्वारा खेती की योजनाओं के लिए आवंटित तीन लाख करोड़ रुपये तक खर्च ही नहीं किए गए। थोड़ी देर के लिए कांग्रेस के जारी प्रेस वक्तव्य को पढ़कर मान भी लें कि मोदी सरकार ने देश के किसानों के साथ बहुत नाइंसाफी कर रखी है, किंतु क्या यह आरोप, तथ्यों के आधार पर ठहर पाएगा? क्योंकि केंद्र या राज्य में सरकार किसी भी दल की रहे, हर दल सत्ता में रहते हुए प्रति वर्ष अपना बजट प्रस्तुत करता है और समय-समय पर आवश्यकतानुसार योजनाओं का निर्माण करने के साथ उन्हें लागू करता है। फिर यदि बीच में जैसी जरूरत आन पड़ती है, तो उस के अनुसार अपने नवाचार करता है। स्वभाविक है, यह सब करते वक्त एक बजट का निर्धारण जो जरूरी है, होता है। उसके अनुसार विस्तार से उस विषय का आकलन किया जाता है और फिर पूरी योजना बनाकर कार्य को धरातल पर उतारने के लिए प्रयास शुरू होते हैं।बस, यहीं कांग्रेस जल्दबाजी में दिखती है। लगता है जैसे उसे बिना सही तथ्य जाने ही केंद्र की मोदी सरकार पर अटैक करने की जल्दी है। जैसे युद्ध में भ्रम में डालकर उसे जीतने का प्रयास होता है, वैसे ही झूठ की सीढ़ियों पर चढ़कर, भ्रम फैलाकर, अत्य के आधार पर कांग्रेस किसी भी कीमत पर सत्ता में आ जाना चाहती है। इसलिए लगातार देखने में आ रहा है कि वह मोदी सरकार को लेकर हर दिन नए झूठ गढ़ रही है। वस्तुतः यहां "न्यूनतम समर्थन मूल्य" (एमएसपी) का मामला भी ऐसा ही नजर आ रहा है। क्योंकि केंद्र के आंकड़े जोकि सार्वजनिक भी हैं और कई रिपोर्ट्स में प्रकाशित भी हो चुके हैं। वे दोनों ही सरकारों (मोदी-मनमोहन) के बीच सत्ता में रहते हुए किसानों को दी गई एमएसपी पर सभी सच आज बाहर निकाल कर ला चुके हैं। अब इस ओर केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी सभी का ध्यान आकृष्ट किया है और आंकड़ों का तुलनात्मक अध्ययन करते हुए स्पष्ट बताया है कि कैसे कांग्रेस की सरकारें सत्ता में रहकर देश के अन्नदाताओं के साथ छल करती रहीं। आंकड़ा यह है कि नरेन्द्र मोदी सरकार ने फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के तहत किसानों को 23 लाख करोड़ रुपये दिए हैं। दूसरी ओर कांग्रेस के नेतृत्व वाली पूर्ववर्ती यूपीए सरकार रही है, जिसने कि अपने 10 साल के कार्यकाल में महज 7 लाख करोड़ रुपये आवंटित किए थे। यानी कि मोदी सरकार की मनमोहन सरकार से एमएसपी मुद्दे पर ही तुलना की जाए तो यह साफ हो रहा है कि 16 लाख करोड़ रुपये वर्तमान की भाजपा की सरकार में प्रधानमंत्री मोदी के केंद्र की सत्ता में रहते हुए किसानों को दिए हैं। वास्तव में तुलनात्मक रूप से यह कोई छोटा आंकड़ा नहीं है। बहुत बड़ा अंतर स्पष्ट तौर पर दोनों सरकारों के कार्यकाल के दौरान बढ़ा हुआ साफ दिखाई देता है। कोई यह भी तर्क कर सकता है कि पिछले 10 सालों में सिंचाई सुविधाओं में अपार वृद्धि हुई है, संसाधन भी बढ़े हैं, स्वभाविक है इसके कारण पैदावार भी बढ़ी है, पहले पैदावार कम रही तो एमएसपी भी कांग्रेस की मनमोहन सरकार ने कम दी। तब इस प्रश्न का उत्तर अपने आप सामने आ जाता है कि आखिर जिस अन्नदाता की पैदावार अधिक हो और उसे अधिक लाभ खेती के माध्यम से हो, जैसा कि मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री रहते हुए शिवराज सिंह चौहान कहा करते थे कि मैं कृषि को लाभ का धंधा बनाकर रहूंगा। देखा जाए तो बहुत हद तक वे अपने राज्य में, अपने शासन के दौरान सफल भी रहे हैं। वैसे ही आज सभी इस प्रकरण को समझ सकते हैं। ज्यादा उत्पादन होने पर अधिक एमएसपी का भुगतान। स्वभाविक है, अधिक लाभ भी किसान को ही मिलेगा, सो मिला भी है। तभी तो ये सरकारी आंकड़े बता रहे हैं कि डॉ. मनमोहन सरकार की तुलना में मोदी सरकार ने केंद्र में रहते हुए तीन गुना से अधिक एमएसपी अपने देश के अन्नदाताओं को दी है। वस्तुतः केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान आज विपक्षी दल पर झूठ बोलने और किसानों को गुमराह करने का आरोप सही लगा रहे हैं। क्योंकि जमीन पर भाजपा नीत केंद्र सरकार ने किसानों के लिए हर मोर्चे पर ऐतिहासिक काम किया है, चाहे वह एमएसपी हो या उनकी आय बढ़ाना हो या खेती में नई तकनीक और विविधता लाना हो। मोदी सरकार के कार्यकाल में दलहन, तिलहन और कपास की कीमतों में कई गुना वृद्धि हुई है। दोनों ही सरकार के आंकड़े इस संदर्भ में देखे जा सकते हैं। ऐसे में शिवराज सिंह चौहान का यह कहना सच ही नजर आता है कि मोदी सरकार एमएसपी सहित किसानों के लिए पारिश्रमिक की पूरी प्रणाली को मजबूत कर रही है। केंद्र सरकार के आंकड़े और उसके आधार पर केंद्रीय मंत्री चौहान का दावा यही कहता है कि कांग्रेस शासन के दौरान सभी फसलों के लिए एमएसपी लागत से नाममात्र अधिक थी, जबकि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में ऐतिहासिक निर्णय करते हुए 2025-26 के लिए 14 खरीफ फसलों की कीमतों में वृद्धि की है, जिससे किसानों की कृषि लागत के ऊपर कम से कम 50 प्रतिशत की वृद्धि सुनिश्चित होगी। फिर कृषि मंत्री ने दिए गए एक उदाहरण से भी इसे समझा जाए तो 2013-14 में धान का एमएसपी 1,310 रुपए प्रति क्विंटल था जो अब 2,369 रुपये है। वर्तमान समय में एक महत्वपूर्ण कदम के तहत, केंद्र ने 2025-26 खरीफ विपणन सत्र के लिए धान के एमएसपी को 3 प्रतिशत (69 रुपये) बढ़ाकर 2,369 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया और दलहन और तिलहन की दरों में 9 प्रतिशत तक की वृद्धि की है। सभी फसलों के एमएसपी को देश भर में औसत उत्पादन लागत का कम से कम 1.5 गुना सुनिश्चित करके बढ़ाया गया है। इसमें भी दृष्टि डालें तो पिछले वर्ष की तुलना में एमएसपी में सबसे अधिक वृद्धि नाइजरसीड (820 रुपये प्रति क्विंटल) के लिए की गई है, इसके बाद रागी (596 रुपये प्रति क्विंटल), कपास (589 रुपये प्रति क्विंटल) और तिल (579 रुपये प्रति क्विंटल) का स्थान है। यहां केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी का वक्तव्य भी समझने योग्य है, वे कहते हैं कि इस उपाय का उद्देश्य किसानों के लिए लाभकारी रिटर्न सुनिश्चित करना और कृषि समृद्धि के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को मजबूत करना है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

आईपीएल 2025 के फाइनल में पहुंचने पर कप्तान पाटीदार ने कहा-हम अपनी योजनाओं को लेकर स्पष्ट थे

मुल्लांपुर। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) ने गुरुवार को पंजाब किंग्स को आठ विकेट से हराकर आईपीएल 2025 के फाइनल में जगह बना ली है। यह चौथा मौका है जब बैंगलोर की टीम फाइनल में पहुंची है। इस जीत के बाद कप्तान रजत पाटीदार ने प्रशंसकों का आभार जताते हुए कहा कि टीम जहां खेलती है, ऐसा लगता है जैसे अपने होम ग्राउंड पर हों। कृपया ऐसे ही समर्थन करते रहिए। मैच के बाद कप्तान रजत पाटीदार ने गेंदबाजों की तारीफ करते हुए कहा,"हम अपनी योजनाओं को लेकर स्पष्ट थे, खासकर गेंदबाजी में। तेज गेंदबाजों ने पिच का अच्छे से इस्तेमाल किया। सुयश ने भी बहुत अच्छी लाइन-लेंथ में गेंदबाजी की। मैं उसके रोल को लेकर हमेशा स्पष्ट रहता हूं – उसे सिर्फ स्टंप्स पर निशाना लगाना होता है। उसकी

गूगली पढ़ना बल्लेबाजों के लिए आसान नहीं होता। मैं उसे ज्यादा निर्देश नहीं देता, ताकि वह कंफ्यूज न हो।" पाटीदार ने आगे कहा, "फिल सॉल्ट जिस अंदाज़ में शुरुआत देते हैं, वह देखने लायक होता है। मैं उनका बहुत बड़ा फैन हूं। आरसीबी फैंस का हमेशा शुक्रगुज़ार हूं – हम जहां भी खेलते हैं, ऐसा लगता है जैसे अपने होम ग्राउंड पर खेल रहे हों। कृपया इसी तरह हमारा समर्थन करते रहिए।" 56 रन की नाबाद पारी खेलने वाले फिल सॉल्ट ने कहा,"बहुत अच्छा महसूस हो रहा है। गेंद थोड़ी मूव हो रही थी, लेकिन ये इस सीजन की सबसे खराब पिच नहीं थी। मेरे दिमाग में एक ही बात चल रही थी – 'अर्शदीप से आउट मत होना'। वह लीग स्टेज में दो बार मुझे अलग-अलग तरीके से आउट कर चुका है, इसलिए बस बॉल पर रिएक्ट करने पर ध्यान था।" उन्होंने आगे कहा, "मैंने मैच से पहले कोच एंडी फ्लावर से कहा था कि सफर और ब्रेक शायद हमारे लिए फायदे का सौदा बनें। अब इस जीत से हमें जरूरी मोमेंटम मिल गया है, जो टूर्नामेंट के इस चरण में बेहद अहम है।" प्लेयर ऑफ द मैच रहे लेग स्पिनर सुयश शर्मा ने 4 ओवर में 3 विकेट लेकर पंजाब की कमर तोड़ दी। उन्होंने कहा,"मैंने बस वही किया जो कोच ने प्लान दिया था। आज गेंदबाजी करते समय बहुत अच्छा महसूस कर रहा था। मुझे लगा कि कोई भी मेरी गूगली नहीं पढ़ पा रहा था, जिससे आत्मविश्वास बढ़ गया। हमने इसे एक सामान्य मैच की तरह लिया और सेमीफाइनल जैसा दबाव खुद पर नहीं डाला।" उन्होंने यह भी कहा, "मुझे टीम में एक ही रोल दिया गया है, स्टंप्स पर अटैक करना।"

कप्तानी के पहले ही वर्ष में टीम को आईपीएल फाइनल में पहुंचाने वाले पांचवें भारतीय बने रजत

नई दिल्ली। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के कप्तान रजत पाटीदार आईपीएल 2025 के पहले क्वालीफायर में पंजाब किंग्स पर जीत के साथ ही एक ऐसे क्लब में शामिल हो गये हैं जिसमें महेंद्र सिंह धोनी, रोहित शर्मा, अनिल कुंबले और हार्दिक पांड्य जैसे दिग्गज शामिल हैं। इसी के साथ ही अपनी कप्तानी के पहले ही वर्ष में टीम को आईपीएल फाइनल में पहुंचाने वाले रजत 5वें भारतीय कप्तान बने हैं। आईपीएल 2025 का फाइनल 3 जून को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। आरसीबी कुल मिलाकर चौथी बार आईपीएल के फाइनल में पहुंची है। हालांकि, इससे पहले के तीनों मौकों पर उसे फाइनल में हार झेलनी पड़ी थी। इस बार आरसीबी

आईपीएल में खिताब जीतने का पूरा प्रयास करेगी। आईपीएल के फाइनल में आरसीबी की कप्तानी साल 2009 में अनिल कुंबले जबकि साल 2011 में डेनियल वेटोरी , वहीं साल 2016 में विराट कोहली और 2025 में रजत पाटीदार ने की थी। धोनी ने अपनी कप्तानी के पहले ही साल में चेन्नई सुपरकिंग्स टीम को फाइनल में पहुंचाया था। उन्होंने 2008 में आईपीएल के पहले ही सत्र में ये उपलब्धि हासिल की थी पर वह खिताब नहीं जिता पाये थे। अनिल कुंबले दूसरे ऐसे भारतीय हैं जिनकी कप्तानी के पहले ही साल 2009 में में टीम आईपीएल फाइनल में पहुंची थी हालांकि टीम फाइनल नहीं जीत पायी थी। साल 2013 में रोहित शर्मा मुंबई इंडियंस के कप्तान बने और उसी वर्ष उन्होंने टीम को आईपीएल फाइनल में पहुंचाया। साल 2022 में हार्दिक पांड्या गुजरात टाइटंस के कप्तान बने। उनकी कप्तानी के पहले ही वर्ष में गुजरात टाइटंस आईपीएल फाइनल में पहुंचने में सफल हुई थी। अब आईपीएल कप्तानों के इस क्लब में रजत पाटीदार भी शामिल हो गये हैं।

शार्दुल बोले, शुभमन और ऋषभ के स्वभाव में हैं काफी अंतर

मुम्बई। ऑराउंडर शार्दुल ठाकुर ने कहा है कि इंग्लैंड दौर के लिए नये कप्तान बनाये गये शुभमन गिल और उप-कप्तान ऋषभ पंत के स्वभाव में काफी अंतर है। शार्दुल के अनुसार जहां शुभमन गंभीर हैं, वहीं ऋषभ मजाकिया स्वभाव वाले हैं। साथ ही कहा है कि इन दोनो ने सबसे बड़े और अहम अवसर मौकों पर खेल में योगदान दिया है, और इसी लिए इनसे टीम को काफी उम्मीदें हैं। ठाकुर के अलावा इंग्लैंड के पूर्व कप्तान इयोन मॉर्गन ने भी शुभमन को स्वाभाविक नेतृत्व कर्ता करार दिया, जो कोलकाता नाइट राइडर्स में उनके साथ समय के आधार पर जिम्मेदारी लेने में कुशल है। वहीं पूर्व चयनकर्ता एमएसके प्रसाद ने बुमराह को कप्तानी के लिए समर्थन दिया था जबकि वसीम जफर ने सुझाव दिया था कि बुमराह कप्तान हों और

गिल उप-कप्तान बनकर भविष्य के लिए तैयार हों। दूसरी ओर वीरेंद्र सहवाग ने तर्क दिया कि ऋषभ पंत गिल से बेहतर विकल्प थे और गिल को "तीसरा सबसे अच्छा" विकल्प माना। इनके विपरित गिल को चुनकर मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने कहा कि गिल का चयन एक दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा है, न कि केवल एक सीरीज के लिए। आप कप्तानों को एक या दो दौरे के लिए नहीं चुनते। भारत और इंग्लैंड के बीच आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 चक्र का हिस्सा वाली पांच मैचों की यह सीरीज हेडिंग्ले, एजबेस्टन, लॉर्ड्स, ओल्ड ट्रैफर्ड और द ओवल जैसे मैदानों पर खेली जाएगी। इस इंग्लैंड दौरे के लिए चुनी गई टीम में शार्दुल भी शामिल हैं। मो शमी के नहीं होने से उन्हें इस सीरीज में गेंदबाजी में भी बड़ी भूमिका मिलेगी।

धोनी का ये रिकार्ड अब तक नहीं तोड़ पाया है कोई विकेटकीपर बल्लेबाज

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के नाम एक ऐसा रिकार्ड है जिसे पिछले दो दशक के बाद भी कोई विकेटकीपर बल्लेबाज नहीं तोड़ पाया है। ये विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर सबसे बड़ी पारी खेलने का रिकार्ड है। धोनी ने रिकार्ड श्रीलंका के खिलाफ 2005 में बनाया था। तब जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में धोनी ने 145 गेंदों पर 15 चौके और 10 छक्के लगाकर नाबाद 183 रन बनाए थे। यहां तक कि दक्षिण अफ्रीका के क्विंटन डि कॉक और ऑस्ट्रेलिया के एडम गिलक्रिस्ट भी ऐसा रिकार्ड नहीं बना पाये हैं। इस पारी के साथ धोनी ने एकदिवसीय में विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर बनाया था। उस पारी के साथ ही धोनी ने गिलक्रिस्ट का सबसे अधिक रनों का रिकॉर्ड तोड़ा था, गिलक्रिस्ट ने जनवरी 2004 में होबार्ट के बेलरिव ओवल में जिम्बाब्वे के खिलाफ 126 गेंदों पर 13 चौकों और तीन छक्कों की मदद से 172 रन बनाए थे। धोनी का रिकॉर्ड आज 20 साल बाद भी बना हुआ है। वहीं दक्षिण अफ्रीका के डी कॉक ने साल 2023 में मुंबई में बांग्लादेश के खिलाफ 174 और 2016 में सेंचुरियन में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 178 रन की

पारी खेली थी पर वह धोनी का रिकार्ड नहीं तोड़ पाये थे। इसके अलावा उन्होंने अक्टूबर 2017 में किम्बर्ले में बांग्लादेश के खिलाफ नाबाद 168 रन भी बनाए थे। वहीं मार्च 2020 में बांग्लादेश के विकेटकीपर बल्लेबाज लिटन दास ने जिम्बाब्वे के खिलाफ 143 गेंदों पर 176 रन बनाये थे। धोनी ने 183 रनों की पारी के साथ लक्ष्य का पीछा करते हुए सबसे अधिक स्कोर का भी रिकार्ड बनाया था हालांकि ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर शेन वॉटसन ने 2011 विश्व कप मैच में बांग्लादेश के खिलाफ 96 गेंदों पर नाबाद 185 रन बनाकर ये रिकॉर्ड तोड़ दिया था।

मांजरेकर टीम चयन से खुश नहीं , सरफराज को बनाया गया निशाना

मुम्बई। पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर इंग्लैंड दौरे के लिए चयनित भारतीय टेस्ट टीम से संतुष्ट नहीं हैं। मांजरेकर के अनुसार चयनकर्ताओं ने प्रदर्शन नहीं अपनी सोच के आधार पर खिलाड़ियों को रखा है। मांजरेकर ने कहा कि किसी भी खिलाड़ी के प्रदर्शन को लेकर पहले से अनुमान लगा लिया गया है। चयन समिति की सोच यह है कि हालातों और विपक्ष के आधार पर खिलाड़ियों की संभावित सफलता और असफलता तय की जाये। ऐसे में सरफराज खान जैसे खिलाड़ी को नुकसान हुआ शिकार हुए, क्योंकि उन्हें ऑस्ट्रेलिया में एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला और उनका प्रदर्शन देखने का अवसर चयनकर्ताओं को नहीं मिला। मांजरेकर ने कहा कि घरेलू क्रिकेट में जबरदस्त प्रदर्शन के बाद भी सरफराज को टीम में जगह क्यों नहीं मिली ये उनकी समझ में नहीं

आया है। उन्होंने कहा कि सरफराज ने अपने 4 टेस्ट में घरेलू मैदान पर तीन अर्धशतक और एक 150 रन की पारी और इसके बाद केवल 4 पारियों में वह असफल रहे। फिर भी सरफराज को ऑस्ट्रेलिया में एक भी मैच नहीं मिला। इंग्लैंड दौरे के लिए भी हाल के प्रदर्शन में करुण नायर से उनका प्रदर्शन अच्छा रहा है। इसके बाद भी करुण को शामिल किया गया है। मांजरेकर ने आगे कहा कि यह गैर-चयन प्रदर्शन के बारे में नहीं है, बल्कि नेतृत्व समूह में किसी अहम व्यक्ति की सोच है कि सरफराज इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया में रन नहीं बना पाएंगे, जबकि करुण ऐसा कर सकते है।

व्यापार

पंप एंड डंप मामले में फंसे अरशद वारसी, सेबी ने स्टॉक मार्केट में एंट्री पर 1 साल के लिए लगाया बैन

नई दिल्ली। मार्केट रेगुलेटर सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) ने बॉलीवुड अभिनेता अरशद वारसी, उनकी पत्नी मारिया गोरेट और उनके भाई पर पंप एंड डंप मामले में कार्रवाई करते हुए उनपर 1 साल के लिए सिक्योरिटी मार्केट में कारोबार करने पर प्रतिबंध लगा दिया है। मार्केट रेगुलेटर ने इन लोगों पर पांच-पांच लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है। इसके साथ ही कुल मिलाकर इनसे 1.05 करोड़ रुपये की गलत तरीके से की गई काली कमाई को जब्त करने का भी आदेश दिया है। मार्केट रेगुलेटर सेबी ने ये कार्रवाई साधना ब्रॉडकास्ट लिमिटेड (एसबीएल) के शेयरों के भाव को गलत तरीके अपना कर बढ़ाने और फिर उन्हें ऊंचे दाम पर बेचने के मामले (पंप एंड डंप) में की है। इस मामले में सेबी ने सात अन्य लोगों पर 5 साल के लिए स्टॉक मार्केट में एंट्री पर कंप्लीट बैन लगाया है। इसके साथ ही कुल 54 लोगों पर 1 साल के लिए बैन लगाया गया है। इन 54 लोगों में ही अरशद वारसी, उनकी पत्नी और उनके भाई का नाम भी शामिल हैं। आपको बता दें कि साधना ब्रॉडकास्ट लिमिटेड का नाम अब बदल कर क्रिस्टल बिजनेस सिस्टम लिमिटेड हो चुका है। आरोपों के मुताबिक मनीष मिश्रा नाम के मुख्य आरोपित ने बॉलीवुड अभिनेता अरशद वारसी और अन्य लोगों के साथ मिलकर साधना ब्रॉडकास्ट लिमिटेड के बारे में गलत तरीके से पॉजिटिव माहौल बनाया, जिसके कारण निवेशकों ने धड़ाधड़ कंपनी के शेयर खरीदे। जमकर खरीदारी होने के कारण कंपनी के शेयर के भाव में जोरदार तेजी आ गई। दावा किया जा रहा है कि अरशद वारसी समेत अन्य लोगों को भी इस बात की जानकारी थी कि मनीष मिश्रा

कंपनी के शेयर के भाव गलत तरीके से बढ़ाने के लिए स्ट्रक्चर्ड ट्रेडिंग कर रहा है। सेबी की जांच में पता चला कि साधना ब्रॉडकास्ट लिमिटेड के शेयरों की कीमत बढ़ाने के लिए फर्जी यूट्यूब वीडियो जारी किए जा रहे थे। इसके साथ ही स्ट्रक्चर्ड ट्रेडिंग के लिए अन्य तरीकों का भी सहारा लिया जा रहा था। कंपनी के शेयरों के प्रति निवेशकों को लुभाने के लिए यूट्यूब पर फर्जी कंटेंट अपलोड करने के साथ ही पेड मार्केटिंग कैंपेन भी चलाया गया। शेयरों का भाव बढ़ने पर कंपनी के प्रमोटर्स ने अपने शेयरों को ऊंचे भाव में रिटेल इन्वेस्टर्स के बीच बेच दिया। इस मामले में अरशद वारसी उनकी पत्नी और उनके भाई की ओर से दावा किया गया कि वे शेयर बाजार के लिए नए थे और बाजार की बारीकियों की उनको जानकारी नहीं थी। उनका ये भी दावा था कि वे धोखाघड़ी के शिकार हुए हैं और उन्हें काफी नुकसान भी हुआ है। हालांकि मार्केट रेगुलेटर ने अरशद वारसी, उनकी पत्नी और उनके भाई के दावे को खारिज करते हुए अपने अंतिम आदेश में कहा कि अरशद वारसी ने 27 जून 2023 को सेबी को बयान दिया था कि उन्होंने अपने अकाउंट के अलावा अपनी पत्नी और भाई के अकाउंट से भी ट्रेडिंग की थी। सेबी के आदेश में कहा गया है कि अरशद वारसी और मनीष मिश्रा के बीच हुई व्हाट्सएप चैट से इस बात का भी पता चला है कि मिश्रा ने वारसी, उनकी पत्नी और उनके भाई के बैंक अकाउंट में 25-25 लाख रुपये ट्रांसफर करने का प्रस्ताव भी दिया था। सेबी की जांच में इस मामले में साधना ब्रॉडकास्ट लिमिटेड (एसबीएल) के प्रमोटर्स के भी शामिल होने का पता चला। सेबी को मनीष मिश्रा, सुभाष अग्रवाल और साधना ब्रॉडकास्ट लिमिटेड के प्रमोटर्स के बीच हुए व्हाट्सएप चैट भी मिले हैं। सेबी की जांच में इस बात का भी पता चला कि पंप और डंप के इस मामले में सबसे अधिक 18.33 करोड़ रुपये का फायदा गौरव गुप्ता को हुआ। इसी तरह साधना बायो ऑयल्स प्राइवेट लिमिटेड ने इस मामले में 9.41 करोड़ रुपये की कमाई की। सेबी ने गलत तरीके से कमाई करने वाले सभी आरोपियों और कंपनियों को अवैध तरीके से कमाए गए मुनाफे को वापस करने का आदेश दिया है। इस मामले में मनीष मिश्रा पर 5 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया है।

दो दिन की गिरावट के बाद उछला सोना, चांदी के भाव में बदलाव नहीं

नई दिल्ली। लगातार दो दिन तक गिरावट का सामना करने के बाद घरेलू सर्राफा बाजार में आज सोने के भाव में तेजी का रुख बना हुआ है। सोना आज 250 रुपये से लेकर 270 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। भाव में उछाल आने के कारण आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 97,310 रुपये से लेकर 97,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 89,200 रुपये से लेकर 89,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज भी 99,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है।दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 97,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने

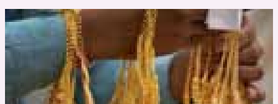

की कीमत 89,350 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 97,310 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 89,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 97,360 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 89,250 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 97,310 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 89,200 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 97,310 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 89,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 97,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 89,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 97,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 89,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 97,460 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 89,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना महंगा हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 97,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार पर दबाव, उतार-चढ़ाव के बीच सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान उतार-चढ़ाव के बीच गिरावट का रुख नजर आ रहा है। आज के कारोबार की शुरुआत भी कमजोरी के साथ हुई थी। हालांकि बाजार खुलने के कुछ देर बाद खरीदारी के सपोर्ट से शेयर बाजार में मजबूती भी आई, लेकिन थोड़ी ही देर बाद बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों ने दोबारा लाल निशान में गोता लगा दिया। पहले एक घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.13 प्रतिशत और निफ्टी 0.25 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार कर रहे थे। शुरुआती एक घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से एटरनल, बजाज फिनसर्व, कोल इंडिया, जियो फाइनेंशियल और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर 1.49 प्रतिशत से लेकर 0.82 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे

थे। दूसरी ओर बजाज ऑटो, टेक महिंद्रा, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, इंफोसिस और इंडसइंड बैंक के शेयर 2.31 प्रतिशत से लेकर 1.20 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,408 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,087 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 1,321 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 9 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 21 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 22 शेयर हरे निशान में और 28 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे। बीएसई का सेंसेक्स आज 167.33 अंक की कमजोरी के साथ 81,465.69 अंक के स्तर पर खुला। शुरुआती कारोबार में ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण ये सूचकांक गिर कर 81,414.02 अंक तक पहुंच गया। इसके बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बनाया, जिसके कारण ये सूचकांक उछल कर हरे निशान में 81,698.21 अंक तक पहुंचने में सफल रहा। हालांकि इसके बाद एक बार फिर बिकवाली शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक ने दोबारा लाल निशान में गोता लगा दिया। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच पहले 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे सेंसेक्स 109.67 अंक की गिरावट के साथ 81,523.35 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

लंदन और एथेंस सहित 10 नए अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों के लिए सीधी उड़ानें शुरू करेगी इंडिगो

नई दिल्ली। एयरलाइन इंडिगो चालू वित्त वर्ष 2025-26 में लंदन और एथेंस सहित 10 नए अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों के लिए सीधी उड़ानें शुरू करने को तैयार है। इस कदम से एयरलाइन का वैश्विक नेटवर्क सिर्फ एक साल में 40 से 50 अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों तक पहुंच जाएगा। एयरलाइन का लक्ष्य वित्त वर्ष 2024-25 में 100 से अधिक नए मार्गों के जरिए 40 अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों और 20 भारतीय शहरों को जोड़ना है, जिससे भारत की 90 फीसदी आबादी तक इसकी पहुंच और बढ़ जाएगी। इंडिगो के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पीटर एल्बर्स ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि कंपनी के आगामी अंतरराष्ट्रीय विस्तार में एम्स्टर्डम (नीदरलैंड), मैनचेस्टर (यूके), कोपेनहेगन (डेनमार्क),

सिएम रीप (कंबोडिया) और मध्य एशिया के चार गंतव्यों के लिए नए मार्ग शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि भारतीय विमानन क्षेत्र में जबरदस्त अवसर हैं, जहां बढ़ती मांग के साथ-साथ तेजी से बुनियादी ढांचे का विकास भी हो रहा है। उन्होंने कहा कि जुलाई से इंडिगो मुंबई से मैनचेस्टर और एम्स्टर्डम के लिए लीज पर लिए गए बोइंग 787-9 विमानों का उपयोग करके सीधी उड़ानें शुरू करेगी। मैनचेस्टर मार्ग इंडिगो के लंबी दूरी के परिचालन में प्रवेश को भी चिह्नित करेगा।

ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर वॉकी-टॉकी सहित रेडियो उपकरणों की बिक्री पर रोक

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर वॉकी-टॉकी सहित रेडियो उपकरणों की अवैध लिस्टिंग और बिक्री पर रोक लगा दी है। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने ई-कॉमर्स साइटों पर रेडियो उपकरणों की अवैध बिक्री पर अंकुश लगाने के लिए मानदंड जारी किए हैं। सीसीपीए ने ऐसे उपकरणों की 16,970 लिस्टिंग की जांच के बाद ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म को नोटिस जारी किए है। उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि गृह मंत्रालय और दूरसंचार विभाग के साथ अंतर-मंत्रालयी परामर्श के बाद इस दिशा-निर्देशों को अंतिम रूप दिया गया है। ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर वॉकी-टॉकी सहित रेडियो उपकरणों की अवैध लिस्टिंग और बिक्री की रोकथाम और विनियमन के लिए दिशा-निर्देश, 2025 का उद्देश्य उन वायरलेस उपकरणों की अनधिकृत बिक्री पर अंकुश लगाना है, जो उपभोक्ता सुरक्षा के लिए जोखिम पैदा कर सकते हैं।

स्त्री के अभिनेता अभिषेक बनर्जी की नई फिल्म स्टोलेन का ऐलान

सामने आया टीजर, 52 सेकंड में दिखा सस्पेंस और थ्रिलर

अभिषेक बनर्जी एक नई फिल्म लेकर आ रहे हैं। सस्पेंस थ्रिलर से भरपूर इस फिल्म में अभिषेक अपनी पिछली फिल्मों से अलग अवतार में नजर आएंगे। 'स्त्री में हंसाने वाले अभिषेक बनर्जी इस बार किडनैपिंग से जुड़ी कहानी 'स्टोलेन लेकर आए हैं। फिल्म का टीजर और उसकी रिलीज डेट जारी कर दी गई है। 52 सेकंड के इस टीजर की शुरूआत एक वाइस ओवर के साथ होती है। इस वाइस ओवर में कहा जाता है कि इस क्षेत्र में घनों सायो है, किसी कारण से दाता नाराज है। हरियाणवी भाषा का टच लिए ये वाइस ओवर कहता है कि इस एरिया में कोई श्राप है। भगवान किसी कारण से नाराज है। एक मिनट से भी कम के टीजर में एक्शन और खूनखराबा दिखाया गया है। टीजर में फिल्म के मुख्य कलाकार अभिषेक बनर्जी खून से लथपथ अधमरी हालत में नजर आते हैं। करण तेजपाल द्वारा निर्देशित 'स्टोलेन आजकल की सोच वाले दो भाइयों की कहानी है। जो एक गांव के रेलवे स्टेशन पर एक गरीब मां के बच्चे का अपहरण होते देखते हैं। इसके बाद वो उनकी मदद करने का प्रयास करते हैं। इसके बाद कैसे कहानी मोड़ लेती है और उनकी जान जोखिम में पड़ जाती है, ये फिल्म में देखने को मिलेगा। 'स्टोलेन 4 जून को प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगी। फिल्म को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर काफी सराहना मिली है। वेनिस फिल्म फेस्टिवल में दमदार डेब्यू के साथ 'स्टोलन को कई फिल्म फेस्टिवल में ऑडियंस का जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला है। फिल्म ने दुनियाभर के कई फिल्म फेस्टिवल्स में शानदार प्रदर्शन किया है और कई पुरुस्कार भी हासिल किए हैं। भारत में इस फिल्म का प्रीमियर जियो मामी मुंबई फिल्म फेस्टिवल में हुआ और बाद में इसे 28वें केरल इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में दिखाया गया। करण तेजपाल द्वारा निर्देशि इस फिल्म में अभिषेक बनर्जी के अलावा हरीश खन्ना, मिया मैल्जर, साहिदुर्रहमान और शुभम समेत कई कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। 'स्टोलेन से अनुराग कश्यप, किरण राव, निखिल आडवाणी और विक्रमादित्य मोटवानी भी एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर के रूप में जुड़े हैं।

ठग लाइफ का दूसरा सिंगल शुगर बेबी हुआ रिलीज़

ए.आर. रहमान की धुन और त्रिशा कृष्णन का धमाकेदार डांस

भारतीय सिनेमा के दिग्गज अभिनेता कमल हासन की आगामी फिल्म 'ठग लाइफ ने एक बार फिर धूम मचा दी है। फिल्म के दूसरे सिंगल 'शुगर बेबी को रिलीज़ कर दिया गया है और यह गाना पहले ही अपनी लय, जोश और त्रिशा कृष्णन के शानदार डांस मूव्स के साथ दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर रहा है। गाने को ए.आर. रहमान ने संगीतबद्ध किया है, और यह एक उच्च ऊर्जा वाले, चुलबुले और संक्रामक ट्रैक के रूप में सामने आया है। गाने का आकर्षण इसकी बीट्स और ऊर्जा में है, जो दर्शकों को नाचने पर मजबूर कर देती है। त्रिशा कृष्णन की स्क्रीन प्रेजेंस ने गाने में और भी रंग भर दिए हैं। उनकी लाजवाब डांस परफॉर्मेंस और आत्मविश्वास ने गाने को और भी खास बना दिया है, और उनकी हर एक मूवमेंट में सिज़लिंग एनर्जी देखने को मिलती है। 'शुगर बेबी गाने का मिज़ाज काफी अलग है। यह केवल ठग लाइफ की कहानी नहीं, बल्कि इसकी मौज-मस्ती और जोश को भी पूरी तरह से दर्शाता है। इस गाने में त्रिशा की ऊर्जा ने इसे एक नया आयाम दिया है, और एक बार फिर उन्होंने यह साबित किया है कि वह न केवल एक बेहतरीन अभिनेत्री हैं, बल्कि एक शानदार डांसर भी हैं। गाने के हर फ्रेम में वह अपनी पावरफुल पर्सनैलिटी के साथ चमकती नजर आ रही हैं। जहां एक ओर ए.आर. रहमान का संगीत गाने की धड़कन को जीवित रखता है, वहीं गाने के स्वर भी प्रभावित करने वाले हैं। तमिल संस्करण में एलेक्जेंड्रा जॉय, शुबा, और सरथ संतोष की आवाज़ें गाने में जान डालती हैं, वहीं हिंदी संस्करण में निखिता गांधी, शुबा और शाश्वत सिंह की आवाज़ें एक महानगरीय और ट्रेंडी एनर्जी को जोड़ती हैं। दोनों संस्करणों में गाने का आकर्षण, उर्जा और रिदम एक समान है, जो इसे अंतरराष्ट्रीय दर्शकों तक पहुंचाने में सक्षम बनाता है। फिल्म 'ठग लाइफ की कहानी में कमल हासन, त्रिशा कृष्णन, सिलंबरासन टीआर, अशोक सेलवन, ऐश्वर्या लक्ष्मी, जोजू जॉर्ज, अली फजल, सान्या मल्होत्रा, और रोहित सराफ जैसे कई बेहतरीन कलाकारों की शानदार भूमिकाएं हैं। फिल्म का निर्देशन मणि रत्नम और संगीत ए.आर. रहमान द्वारा दिया गया है, जो इसे और भी खास बनाता है। कमल हासन ने फिल्म में रंगाराया शक्तिवेल नायकर की भूमिका निभाई है, और यह किरदार उनके फैंस के लिए किसी रोमांच से कम नहीं होगा। 'ठग लाइफ का निर्माण राज कमल फिल्म्स इंटरनेशनल और मद्रास टॉकीज द्वारा किया गया है, और यह फिल्म 5 जून, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होने के लिए तैयार है। इस फिल्म को लेकर दर्शकों में उत्सुकता पहले से ही बढ़ गई है, और अब यह गाना और उसकी धूम इसे और भी खास बना रहा है। फिल्म के ट्रेलर और गाने से मिली शुरुआत से यह साफ है कि यह एक बेहतरीन सिनेमाई अनुभव होने वाला है। कमल हासन और मणि रत्नम के संग ए.आर. रहमान का संगीत और त्रिशा कृष्णन का जबरदस्त डांस, दर्शकों को एक अविस्मरणीय यात्रा पर ले जाने के लिए तैयार हैं। यह फिल्म न केवल भारत में बल्कि दुनिया भर में अपने प्रभाव से धमाल मचाने वाली है।

गीता बसरा ने बताया, क्यों बनाई बॉलीवुड से दूरी, अभी तक है ये मलाल

अभिनेत्री गीता बसरा ने फिल्म इंडस्ट्री से दूर जाने के अपने फैसले के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने बॉलीवुड से दूरी बनाने के पीछे क्या वजह थी। अपने फिल्मी करियर पर रोशनी डालते हुए गीता बसरा ने बॉलीवुड में एक बाहरी व्यक्ति के रूप में अपने सामने आने वाली चुनौतियों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने खुलासा किया कि उन्हें सपोर्ट नहीं मिला, जिस वजह से चार बड़ी फिल्में उनके हाथ से निकल गई। उन्होंने बताया कि पति, क्रिकेटर हरभजन सिंह से मिलने के बाद इंडस्ट्री की उनको लेकर धारणाएं बदल गईं, जिस वजह से कई फिल्में उनके हाथ से निकल गईं। फिल्म निर्माताओं ने मन में यह विचार कर लिया कि अब वह शादी करने जा रही हैं और उन्हें कई प्रोजेक्ट से दूर करना शुरू कर दिया था। गीता से पूछा गया कि जब उनका करियर आगे की ओर बढ़ रहा था, तब उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री से दूर जाने का फैसला क्यों लिया, तो गीता बसरा ने बताया कि जब वह हरभजन से मिलीं, तब उन्होंने अपना करियर शुरू ही किया था। बसरा ने बताया, जब मैं भज्जी से मिली, तब मैंने अपना करियर शुरू ही किया था। मैं इंडस्ट्री में नई थी। उस समय लोगों की मानसिकता अलग थी- आप किसी व्यक्ति के साथ सार्वजनिक रूप से दिख जाएं तो अफवाहें फैलने लगती थीं। यह सोच केवल दर्शकों तक ही सीमित नहीं थी, बल्कि निर्माताओं, निर्देशकों और अभिनेताओं की भी ऐसी सोच थी। मेरी भज्जी से मुलाकात हुई और इसके बाद मेरे हाथ से चार फिल्में केवल इसलिए निकल गईं क्योंकि लोगों को लगा कि मैं शादी करने जा रही हूं। इंडस्ट्री में मेरा कोई गॉडफादर नहीं था, जिस वजह से मैं लोगों को समझा भी नहीं सकती थी। गीता ने राहत भरी सांस लेते हुए बताया, शुक्र है कि समय बदल चुका है। आज, कोई भी परवाह नहीं करता कि आप शादीशुदा हैं या आपके बच्चे हैं। जो मायने रखता है वह है स्क्रीन पर आपका काम। जब गीता के पति और पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह से पूछा गया कि उन्होंने कभी गीता बसरा को शादी के बाद फिल्मों में वापसी के लिए प्रोत्साहित किया, तो क्रिकेटर ने बताया कि यह फैसला पूरी तरह से उनका था। उन्होंने कभी भी उन पर कोई बंदिश नहीं लगाई और लाइमलाइट से दूर रहने के उनके फैसले का सम्मान किया। हरभजन ने कहा, जब भी उसे जीवन में कोई विकल्प चुनना पड़ा, मैंने हमेशा उसका साथ दिया और उसका समर्थन किया। लेकिन, सब कुछ भगवान की योजना के अनुसार होता है - हम कब, कहां और कितना कर सकते हैं, यह सब भगवान पर निर्भर करता है। मेरा काम उसे सपोर्ट और प्रोत्साहित करना है। गीता बसरा कई फिल्मों में काम कर चुकी हैं। उन्हें 'दिल दिया है, 'द ट्रेन, 'जिला गाजियाबाद जैसी फिल्मों में अपने अभिनय के लिए पहचान मिली। साल 2016 में वह पंजाबी फिल्म 'लॉक में नजर आई थीं।

बॉक्स ऑफिस पर भूल चूक माफ की कमाई में आया उछाल, केसरी वीर की हालत पतली

भूल चूक माफ से लेकर केसरी वीर और मिशन इम्पॉसिबल 8 तक सिनेमाघरों में इन दिनों कई फिल्में लगी हुई हैं। हालांकि, इनमें से कोई भी फिल्म दर्शकों को उस हिसाब से अपनी ओर खींचने में सफल नहीं हो पा रही है। जानते हैं मंगलवार को कैसा रहा इन फिल्मों हाल। इस शुक्रवार थिएटर्स में रिलीज हुई कॉमेडी-फैमिली ड्रामा फिल्म 'भूल चूक माफ से दर्शकों को काफी उम्मीदें थीं। हालांकि, फिल्म की शुरूआत बॉक्स ऑफिस पर उतनी अच्छी नहीं रही। लेकिन रविवार को फिल्म की कमाई में उछाल देखने को मिला। जबकि अब वीक डेज में भी फिल्म ठीक-ठाक कमाई कर रही है। सोमवार को 4.5 करोड़ की कमाई करने वाली भूल चूक माफ की मंगलवार की कमाई में उछाल देखने को मिली। पांचवें दिन फिल्म ने 4.79 करोड़ की कमाई की। इसके साथ राजकुमार राव की फिल्म ने पांच दिनों में कुल 37.29 करोड़ का कारोबार कर लिया है। सोमनाथ मंदिर पर हमले और उसकी रक्षा करने की कहानी दिखाने वाली फिल्म 'केसरी वीर पहले दिन से बॉक्स ऑफिस पर संघर्ष करती दिख रही है। सिर्फ 25 लाख से अपनी शुरूआत करने वाली 'केसरी वीर की कमाई में कोई सुधार होते नहीं दिख रहा है। सोमवार को 18 लाख की कमाई करने के बाद केसरी वीर की मंगलवार को कमाई और घट गई और फिल्म सिर्फ 15 लाख रुपए का कारोबार कर पाई। इस तरह से पांच दिनों में फिल्म कुल 1.23 करोड़ का कारोबार कर पाई है। इन नई रिलीज फिल्मों के बीच पिछले 11 दिनों से टिकी टॉम क्रूज की 'मिशन इम्पॉसिबल - द फाइनल रेकनिंग अभी भी दर्शकों को अपनी ओर खींच रही है। फिल्म ने मंगलवार को अपने 11वें दिन 2.25 करोड़ रुपए की कमाई की। इससे पहले सोमवार को फिल्म ने 2.50 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया था। इस तरह से 11 दिनों में फिल्म अब तक 77.10 करोड़ रुपए जुटा चुकी है। अजय देवगन-रितेश देशमुख की 'रेड 2 रिलीज के 27 दिन बाद भी बॉक्स ऑफि पर टिकी हुई है। सोमवार को 75 लाख की कमाई करने वाली रेड 2 की मंगलवार की कमाई में उछाल दर्ज की गई। 27वें दिन मंगलवार को फिल्म 85 लाख रुपए की कमाई। इसके साथ फिल्म की अब तक की कुल कमाई 163.70 करोड़ रुपए हो गई है।

Congress' 'Sabhoot Gang' is not happy with what the Indian Army did, defeat of these Gabbars of Hindustan is certain: Sambit Patra

New Delhi, Bharatiya Janata Party (BJP) spokesperson Sambit Patra has answered the questions raised by the Congress on 'Operation Sindoor' in a press conference in Delhi. Sambit Patra said, there is a big military expert in the US - John Spencer. His article full of facts has been published, in which Spencer explains how India and its army have won over terrorism through technology made in India and how Pakistan's Chinese-made weapons were destroyed. Everyone should read this article and be proud of this subject. This is not the only article by John Spencer. Today, in every country in the whole world, there is a positive thinking about India. Today everyone is saluting the country's army, but in such a situation I feel sad that there are some political parties, especially Congress, who initially said that we stand with the country and the government, but they did not stand with the government and India even for a day. From the very first day, Rahul Gandhi, Jairam Ramesh and all their people have questioned the Indian army and its bravery. This 'proof gang' is not happy with what the Indian army did. Sambit Patra said, just think about it, in Jairam Ramesh's statement it is said that 'terrorists are roaming here and MPs are roaming there.' In the same breath you have equated terrorists with MPs. The MPs who have gone abroad in the delegation have not gone for a tour, they have

gone to put India's side strongly in the court of the world. Your MPs are also included in it, who are putting the country's issues on the world stage in a good way. Sambit Patra said that in the previous Congress government, terrorists were honored and they were also given gifts. We should also remember that day. Those were the days when Rahul Gandhi used to throw big parties after 26/11. I feel sad that Rahul Gandhi, Revanth Reddy and Ramesh are asking - tell me how many planes of India fell? Is this a question, don't you understand The BJP spokesperson further said that the Indian army destroyed 11 airbases of Pakistan. Every single picture of the destruction of all the airbases was put before you as proof. Pakistan's Prime Minister Nawaz Sharif also accepted that India's Brahmostra missiles attacked Pakistan's military bases. Earlier, Nawaz Sharif had also said about the Noor Khan airbase that it was also destroyed. In such a situation, how is Rahul Gandhi asking for a report card? Senior Congress leaders were saying that we do not need war. We should accept what Pakistan says. Pakistan should be left alone. On the other hand, they were saying that we are with India. We are with the Indian government. Sambit Patra said sarcastically, this Babbar of Pakistan is the Gabbar of Pakistan. Remember, the Gabbars of Hindustan, the same thing will happen to you as Jai-Veeru did to Gabbar. Because of India's bravery and India's victory, Gabbar's defeat is certain. Talking about factions within the Congress, Sambit Patra said that there are two factions in the Congress. One is the Congress that is supporting Pakistan. There are some leaders within the Congress who want to raise their voice for the country, but are unable to do so because of Rahul Gandhi. The Jai Hind Yatra that you have taken out seems more like a Jai Pakistan Yatra. It would be better if you stop the Yatra.

PM Modi is talking as if he is every woman's husband, Mamata Banerjee, fuming with anger, said big things

New Delhi, Prime Minister Narendra Modi on Thursday attacked the Trinamool government of Bengal on various issues from a rally held in Alipurduar, West Bengal. Immediately after the rally, Chief Minister Mamata Banerjee held a press conference in the state secretariat Nabanna and responded to everything said by PM Modi. She clearly said that if you have the courage, then hold elections tomorrow, she is ready for elections. Meanwhile, Chief Minister Mamata Banerjee also made a controversial comment on PM Modi. She said that PM Modi is talking as if he is every woman's husband. Why doesn't he give vermilion to his wife? Although I do not want to talk in this regard, but you forced me to speak. She said that vermilion is related to every woman. Vermilion is considered sacred. Women apply it for their husbands. I do not want to comment on Operation Sindoor. Every woman is respected. Mamata Banerjee said, I challenge you openly. You came here just before the elections, because today Bengal is safe. They come to mislead the people of Bengal, spread defamation and plot conspiracies. Why did you not go to Manipur for so long? You should have gone there earlier. She said, when the opposition is representing the country,

working in the interest of the country, then it is very sad for the Prime Minister to say such things (attack the opposition). Is this the time to say such things? She said, remember, this time is very important. Trinamool MP Abhishek Banerjee is speaking against terrorism every day abroad and you, as the Prime Minister, are attacking the opposition! Are you doing politics? She said, BJP is behind the incidents of Murshidabad-Malda. She alleged that money was not given for 100 days of work. We have given everything. You did not give money even for the housing scheme. What is the fault of the poor people? In fact, PM Modi gave a speech of about 32 minutes in Alipurduar, West Bengal on Thursday. In this, he mentioned Operation Sindoor, Pakistan, corruption of Mamata government and policies of the Center.

Lightning wreaks havoc, 3 people of the same family killed; two seriously injured

Bhopal, Three people of the same family, including an eight-year-old child, died in a tragic incident of lightning in Bara village under Semaria police station area of Rewa district of Madhya Pradesh. Two other people have been seriously injured in this accident. The deceased have been identified as Ashish Vasudev (32), his wife Jyoti Vasudev (26) and son Kishan Vasudev (8). All of them were standing under a mango tree near the farm when lightning struck at around 1:30 pm and all three died on the spot. Two other members of the family, Naina Vasudev (2) and Premlal Vasudev (55), were injured in the accident. However, some reports said that Premlal's wife was also injured, but the police have denied it. The injured were first taken to the Primary Health Center in Semaria, from where they were referred to Sanjay Gandhi Medical College, Rewa when their condition became critical. Sirmaur's Sub-Divisional Officer

(Police) Umesh Prajapati said, the victim family lived in a hut in Bara village. The accident happened when all of them were standing under a mango tree in the farm. This accident happened when the weather remained bad in the state on the fifth day of 'Nautapa'. During Nautapa, there is a possibility of severe heat and untimely rain due to the Sun entering the Rohini constellation. This year this period is being considered from 25th May to 8th June. There have been reports of heavy rain and thunderstorms in many districts of the state - Chhatarpur, Satna, Sagar, Mauganj, Rajgarh, Sheopur and Guna. Due to this bad weather, Chief Minister Mohan Yadav also had to cancel his Chhatarpur tour, because the helipad built in Gaurihar of the district was submerged in water. The Meteorological Department has issued a warning of heavy rain, thunderstorm and strong winds up to 60 km per hour in many districts including Sheopur, Sagar, Pandhurna, Damoh, Raisen. Apart from this, rain is also expected in Agar-Malwa, Morena, Neemuch, Guna, Shajapur, Shivpuri, Ashoknagar, Gwalior, Chhatarpur, Panna, Betul, Seoni, Balaghat, Chhindwara, Anuppur, Dindori, Katni, Satna, Maihar, Rewa, Mauganj, Narsinghpur and Umaria in the coming hours. According to weather experts, the weather in the state will remain uncertain for the next four days, due to which it is necessary to be cautious.

Major accident in Sri Muktsar Sahib, Punjab: Four workers killed in explosion in firecracker factory; more than 27 injured

Sri Muktsar Sahib: A major accident has taken place in Sri Muktsar Sahib, Punjab. An explosion took place in a firecracker factory located in the fields of Singhewala-Futuhiwala village near Lambi constituency. Four people died and 27 workers were seriously injured in this accident. The injured have been sent to Bathinda AIIMS. In the explosion, two floors of the factory building turned into rubble like a pack of cards in a moment. This accident occurred in the firecracker manufacturing unit of the factory at around 12:50 in the night. While the work of making firecrackers in the factory was done under contractor Raj Kumar, a resident of Hathras in Uttar Pradesh, the contractor is said to be absconding since the incident. The loud sound of the explosion was heard for several kilometers. According to the migrant workers working in the factory, about 40 employees worked here in two shifts, some of whom lived here with their families. It is being told

that most of the employees were from Uttar Pradesh and Bihar. Artisan Arun Saxena told that he was sleeping under the open sky in front of the factory late at night. Suddenly there was an explosion and in a few moments the whole building turned into rubble and a large number of employees were badly injured. On receiving the information, SSP Dr. Akhil Chaudhary, SP (D) Manmeet Singh, DSP Jaspal Singh of Lambi and in-charge of Killianwali police station Karamjit Kaur reached the spot. Workers of Green S Force of Dera Sacha Sauda Sirsa are engaged in relief work at the spot and the debris of the attack is being removed with the help of hydro machine. Jaspal Singh of Lambi told that this factory belongs to a person named Tarsem Singh of Singhe Wala-Futuhiwala, who is approved. He told that initially five people have died and about 27 people have been injured. Three bodies have been taken out from under the rubble. Relief work is going on on a war footing. Further action will be taken after investigation. SSP Dr. Akhil Chaudhary said that four deaths have been confirmed. The injured have been rushed to the hospital. The matter will be investigated seriously. (New Delhi) 'Congress leaders are playing directly into the hands of Pakistan', Amit Malviya questions Revanth Reddy's statement New Delhi, May 30 (RNS). BJP IT cell chief Amit Malviya has questioned the lack of understanding of Congress leaders on national security. He criticized the statement of Telangana Chief Minister and Congress leader Revanth Reddy, in which he asked, how many Rafale jets did Pakistan shoot down?

Maintenance-2 department defeated Fuel Management in tennis ball cricket competition and captured the Power Cup trophy

Korba, Inter-departmental flood light tennis ball cricket competition 'Power Cup' was organized at Hasdeo Sports Complex of Hasdeo Thermal Power Plant (HTPS) Korba West. In this 10-day competition, Maintenance-2 department of the power plant defeated Fuel Management department by 24 runs and registered victory. Chief Engineer Praveen Srivastava congratulated the winning team and praised such events to encourage sports. The final match of the Power Cup cricket competition was played on Sunday evening between Maintenance-2 and Fuel Management team. Maintenance-2 team won the toss and decided to bat first. Satish Dhruv batted brilliantly for Maintenance-2 and scored 51 runs and the team's score reached 102

runs in the stipulated 12 overs. Fuel Management team, which came to chase 103 runs, was shocked by Maintenance-2 bowler Birendra Kumar in the very first over and main batsman Saurabh Raote was dismissed. After this, Sunil Mulethi and Subhash batted with discipline and contributed 19 and 15 runs respectively. Then Maintenance-2 bowler Harshal Vishwakarma took 3 wickets for just 10 runs in 3 overs and broke the batting order of the Fuel Management team. The Fuel Management team could only score 78 runs in the stipulated 12 overs. In this way, the Maintenance-2 team won by 24 runs and captured the Power Cup trophy. The Power Cup Cricket Competition was organized from 16 to 25 May by the Regional Arts and Sports Council, Korba-West. A total of 8 teams participated in this tournament. First league matches were played. On the basis of points, four of these teams made their place in the next round. Two semi-final matches were played last Saturday. The first semi-final was played between Maintenance-2 and Operation-3. Maintenance-2 won in this. The second semi-final match was played between Maintenance-1 and Fuel Management. Fuel Management won this match. Maintenance-2 and Fuel Management teams made it to the finals. In the closing ceremony, individual awards were given to the players of the winning and runner-up teams by presenting trophies to them by Additional Chief Engineer PK Swain, MK Gupta and KNB Rao. Man of the Match Satish Dhruv, best batsman of the tournament Saurabh Raote, best bowler Akhilesh Sao, best all-rounder Aman Kishore were awarded. Secretary of Regional Arts and Sports Council Korba West Satish Bardia thanked the guests and all the officers and employees associated with the sports event and expressed his gratitude. Superintending Engineer DK Rathore, Narendra Uike, Manoj Jaiswal and Pramod Baghel were present in the ceremony.

Three members of a family die in Sirsa road accident

Sirsa, . Three members of a family from Dabwali town of Sirsa district of Haryana died in a road accident in Bahadurgarh of Patiala district of Punjab. After the incident, the police reached the spot and opened the blocked road and restored traffic. Family sources said that Pawan Babbar, his wife Kusumlata and only son Siddhant were returning on Thursday afternoon after attending a social function at their daughter's house in Chandigarh. Siddhant was driving the car when it went out of control near Bahadurgarh and collided with a divider. The collision was so severe that the car riders Pawan Babbar, Kusumlata and Siddhant got serious injuries due to which all three died on the spot. Passersby heard the blast and rushed to the spot and saw that all three people were trapped in the car, who were somehow taken out and taken to the hospital but the doctor declared them dead. They were identified after calling the numbers found in the car's papers. All three bodies

have been kept in the hospital mortuary for postmortem. Silence spread in Dabwali with the news of the death of three members of a family together. The commission agents closed their shops as a mark of mourning. According to family sources, Pawan Babbar was in the business of commission agents. He has a son and two daughters. Pawan is left with only two daughters after the tragic death of his son and wife. Other family members and relatives have left for the spot. Probably the last rites of all three bodies will be performed in Dabwali tomorrow.

Congress's disgusting politics on terrorism, anti-national mentality exposed: Tarun Chugh

Chandigarh, Bharatiya Janata Party (BJP) National General Secretary Tarun Chugh launched a scathing attack on the Congress and its Punjab in-charge Bhupesh Baghel and said that the disgusting politics of the Congress on terrorism and its anti-national mentality have been exposed. Baghel recently made a shameful and insensitive statement that terrorism benefited the BJP and harmed the Congress. Chugh said, this is not a matter of slip of tongue, it exposes the distorted, dangerous and appeasement thinking of the Congress. Will the Congress now look at terrorism, which took the lives of countless of our soldiers and civilians, through the prism of 'political gain and loss'. He raised the question whether the Congress has stooped so low that it is weighing even a serious issue like terrorism through

the prism of vote bank. He said, it is a matter of shame that those who ruled the country for decades have not yet been able to rise above political bargaining even over the blood of innocents. Attacking Baghel, he said, if he thinks that terrorism has benefited the BJP, then he is not only insulting the martyrdom of our brave martyrs but also the wounds of every Indian who became a victim of terrorism. Congress got the opportunity and mandate to root out terrorism for decades, but it chose appeasement instead of security, where action should have been taken, excuses were made. Where surgical strikes should have been done, dossiers were sent. Congress leader Rahul Gandhi should answer, has this now become the official thinking of the Congress. He welcomed the leaders of all those parties who have recently gone abroad under the all-party delegation to present India's side and expose Pakistan as a terrorism sponsoring country. He said that this is the time for the political parties of India to speak in one voice and expose Pakistan's conspiracies on global forums and talk about successful anti-terror operations like 'Operation Sindoor'. Such efforts send a clear message to the international community that India can neither remain silent on terrorism nor remain divided.

QUARREL OVER FRONT SEAT IN SCHOOL, 10TH STUDENT SHOT DEAD CLASSMATE

Hisar, A painful incident has come to light in Haryana, where a 10th student shot another student dead in a minor dispute over sitting in the front seat in school. The deceased student has been identified as Dixit, a resident of Mastnath Colony. He and the accused student used to study in the same school near Satrod village a year ago. The police have taken the accused student into custody and he has confessed to killing his father with a licensed gun. According to the police, about a year ago, Dixit and his classmate had a fight over sitting in the front seat in the class. After this, the family of the accused student pressured Dixit's parents to enroll him in some other school. However, citing CBSE rules, Dixit's parents expressed their inability to do so. After this, the

accused student's family itself got his school changed. Dixit's family said that since then the accused student had been threatening to kill him. This morning, when Dixit had gone out to get milk on his scooter, the accused student called him. He came on a motorcycle and both of them went to the loading point of the railway station. There, an argument broke out between them again and a scuffle broke out. In anger, the accused student took out a gun from his bag and shot Dixit. The first bullet went in the air and the second bullet hit Dixit below his waist. Hearing the sound of the bullet, an elderly woman working nearby ran and saw Dixit's phone ringing. The phone was of his mother. The elderly woman immediately informed Dixit's mother about the incident. Dixit's parents immediately reached the spot and took him to the hospital, but he died on the way. Later, the GRP and forensic team reached the spot and collected samples. GRP SHO Vinod Kumar said that the deceased's scooter and slippers have been found. The incident took place at a deserted place where no CCTV camera was installed. Police are investigating the matter.